राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार 23अक्टूबर2020 वर्ष-3, अंक -267 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जल्द कम होंगे भारत में प्याज के दाम, सरकार अलर्ट पर, बड़े पैमाने पर आयात की तैयारी

नई दिल्ली। प्याज की कीमतों में अचानक हुई वृद्धि को देखते हुए केंद्र सरकार ने प्याज आयात ने नियमों में ढील देने का ऐलान किया है। इसके साथ सरकार बफर स्टॉक से भी बाजार में प्याज उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है। ताकि, त्यौहार के मौसम में लोगों को उचित कीमत पर प्याज उपलब्ध कराई जा सके। पिछले दस दिन में प्याज की कीमत 12 फीसदी बढ़ी हैं। इसके साथ सरकार ने सभी भारतीय उच्च आयोगों को यह निर्देश दिया है कि वह संबंधित देशों में व्यापारियों से इस संबंध में संपर्क करे। ताकि, देश में ज्यादा से ज्यादा प्याज आयात की जा सके। उपभोक्ता मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि प्याज के आयात के लिए नियमों में यह ढील 15 दिसंबर तक जारी रहेगी। इसके साथ सरकार ने बफर स्टॉक से सफल, केंद्रीय भंडार और राज्य सरकारों को प्याज जारी की है। इसे और बढाया जाएगा। उपभोक्ता मंत्रालय का कहना है कि प्याज की कीमतों में पिछले दस दिनों में उछाल आया है। प्याज की कीमत 51.95 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई। यह इस अवधि में पिछले साल की कीमत के मुकाबले 12 फीसदी अधिक है। सरकार का कहना है कि प्याज की बढती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसमें निर्यात पर रोक भी शामिल है। सरकार का कहना है कि प्याज की कीमतों में अचानक हुई वृद्धि के कई कारण हैं। इनमें महाराष्ट्र, कर्नाटक और मध्य प्रदेश के कई जिलो में हुई भारी बारिश भी एक बड़ी वजह है। क्योंकि, बारिश की वजह की वजह से खरीफ की फसल खराब हुई। इसके साथ प्याज के भंडारण को भी नुकसान पहुंचा है। मंत्रालय के मुताबिक वह बाजार में उपलब्धता बढाने पर जोर दे रही है।

LAC पर जारी तल्खी के बीच पीएम नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग नवंबर में 3 बार होंगे आमने-सामने

नई दिल्ली। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जारी तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग नवंबर में तीन अलग-अलग फोरम पर वर्चुअल बैठक में आमने-सामने होंगे। एससीओ के अलावा ब्रिक्स और जी-20 की बैठक में इन नेताओं का सामना होगा। एससीओ की 10 नवंबर को होने वाली बैठक के बाद 17 नवंबर को ब्रिक्स और 21 व 22 नवंबर को जी-20 की बैठक होनी है। रूस एससीओ शिखर सम्मेलन की मेजबानी वर्चुअल माध्यम से करने जा रहा है। इस सम्मेलन का आयोजन 10 नवंबर को किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान भी शामिल हो रहे हैं। सीमा विवाद के बाद पहली बार मोदी-जिनपिंग एक दूसरे से वर्चुअल फोरम पर रूबरू होंगे। ऐसे में सबकी निगाह बैठक में होने वाली बातचीत पर होगी। एससीओ के बाद 12वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 17 नवंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। ब्रिक्स देशों के नेताओं की बैठक का विषय है, वैश्विक स्थिरता के लिए ब्रिक्स भागीदारी, साझा सुरक्षा और नवीन विकास। जी-20 लीडर्स समिट 2020 वर्चुअल रूप से 21-22 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। सऊदी अरब के किंग सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद इसकी अध्यक्षता करेंगे। जी-20 ने उत्पादन, वितरण, चिकित्सा, और टीकों तक पहुंच में मदद करने के लिए 21 अरब डॉलर अधिक का योगदान दिया है। गौरतलब है कि भारत और चीन के बीच लद्दाख के पूर्वी क्षेत्र में पांच महीनों से गतिरोध बना हुआ है। जिससे दोनों के रिश्तों में महत्वपूर्ण रूप से तनाव है। विवाद के हल के लिए दोनों पक्षों ने कई दौर की कूटनीतिक और सैन्य वार्ता की हैं। मोदी और जिनपिंग की मुलाकात को लेकर कयासों का दौर चलता रहा है। लेकिन अभी तक दोनो नेताओ के बीच सीधी बातचीत का कोई कार्यक्रम नही बना है।

ऑक्सफोर्ड की कोरोना वैक्सीन के ट्रायल में शामिल एक वॉलंटियर की मौत, फिर भी नहीं रुकेगा परीक्षण

नई दिल्ली। कोरोना के कहर के बीच वैक्सीन बनाने की रेस में ऑक्सफोर्ड की कोविड-19 वैक्सीन सबसे आगे चल रही है। इस बीच बड़ी खबर है कि ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा विकसित की जा रही कोरोना वैक्सीन के ट्रायल में शामिल एक वॉलंटियर की मौत हो गई है। समाचार एजेंसी एएफपी के मुताबिक, ब्राजील में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी-एस्ट्राजेनेका द्वारा विकसित कोरोना वैक्सीन के तीसरे चरण के ट्रायल में एक वॉलंटियर की मौत हो गई है। यह जानकारी बुधवार को अधिकारियों ने दी। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इस मृतक वॉलंटियर को अंडर ट्रायल कोरोना वैक्सीन नहीं दी गई थी, बल्कि प्लेसबो मिला था।

यहां ध्यान देने वाली बात है कि यह दुनिया भर में होने वाले विभिन्न कोरोना वायरस वैक्सीन के ट्रायलों के दौरान पहली मौत है। हालांकि, अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों ने कहा कि एक स्वतंत्र समीक्षा ने निष्कर्ष निकाला है कि इसके बाद भी वैक्सीन की सेफ्टी को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है और दवा कंपनी एस्ट्राजेनेका के साथ विकसित किए जा रहे टीके का ट्रायल नहीं रुकेगा, बल्कि जारी रहेगा।

मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि इस ट्रायल में शामिल वॉलंटियर 28 वर्षीय चिकित्सक था, जो महामारी के दौरान फ्रंट लाइन पर काम कर रहा था और कोरोना की वजह से उसकी मौत हो गई। ब्राजील के समाचार पत्र ग्लोबो और अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग ने कहा कि वॉलंटियर नियंत्रण समूह में था और उसे टेस्ट वैक्सीन के बजाय एक प्लेसबो दिया गया था।

इस घटना के बाद ऑक्सफोर्ड ने अपने बयान में कहा है कि ब्राजील में इस मामले के सावधानीपूर्वक मूल्यांकन के बाद क्लिनिकल ट्रायल की सुरक्षा के बारे में कोई चिंता व्यक्त नहीं की गई है और ब्राजील के नियामक के अलावा स्वतंत्र समीक्षा ने भी कहा है कि टीका का परीक्षण जारी रहना चाहिए। वहीं, ब्राजील के राष्ट्रीय स्वास्थ्य नियामक, अनविसा ने पुष्टि की कि 19 अक्टूबर को इस मामले की सूचना दी गई थी।

बता दें कि इससे पहले ऑक्सफोर्ड और एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन का ट्रायल ब्रिटेन में उस वक्त रुका था, जब एक वॉलंटियर में अजीब बीमारी सामने आई थी। ब्रिटिश नियामक और स्वतंत्र रिव्यू की हरी झंडी मिलने के बाद कि इस वैक्सीन का कोई साइड इफेक्ट नहीं है, ट्रायल दोबारा शुरू हुआ। बता दें कि ब्राजील में अब तक आठ हजार वॉलंटियर्स को यह टीका लगाया गया है, वहीं पूरी दुनिया में यह संख्या बीस हजार से अधिक है।

LAC पर पूर्वी लद्दाख में तैनात सैनिकों की रोटेशन प्रक्रिया शुरू, युद्ध की रणनीति को चुस्त बनाने की पहल

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसी बीच सेना ने रोटेशन पर जवानों की तैनाती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसे लंबे समय तक एलएसी पर मौजूद रहने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। सेना के सूत्रों ने कहा कि कठिन एवं दुर्गम स्थानों पर जवानों की तैनाती में रोटेशन प्रक्रिया अपनाई जाती है। इसके पीछे मकसद यह होता है कि लंबे समय तक जवानों को ऐसे ऊंचाई

वाले दुर्गभ स्थानों पर तैनात नहीं रखा जाए। वहीं, दूसरे सैनिकों को वहां भेजकर उनकी युद्धक क्षमता को मजबूती प्रदान करना है। इसलिए उन्हें दो-तीन महीनों के भीतर वहां से हटा दिया जाता है औ दूसरे सैनिकों को वहां भेजा जाता है। सेना सूत्रों के अनुसार यह प्रक्रिया पूर्वी लद्दाख में भी आरंभ कर दी गई है। क्योंकि वहां सैनिक चार-छह महीनों से तैनात हैं। जो सैनिक वहां पहले से तैनात थे उन्हें मैदानी इलाकों में भेजा जा रहा है तथा नये सैनिकों को वहां भेजा जा रहा है। वहां नए सैनिकों को भेजने से पूर्व आवश्यक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार से सैनिकों की संख्या नहीं बढ़ाया जा रही है। सिर्फ जवानों को बदला जा रहा है। सेना के सूत्रों ने कहा कि इस प्रकार के कदम चीन ने भी उठाए हैं। इसके बाद भारत ने उठाए। सेना के सूत्रों ने बताया कि सैनिकों की रोटेशन के जरिये हमने सर्दियों भर की तैनाती की प्रक्रिया सुनिश्चित कर दी है। आने वाली बातचीत में निभर करेगा कि सैनिकों की वापसी होती है या वहां तैनाती कायम रहती है। बता दें कि दोनों देशों के पचास हजार से ज्यादा सैनिक एलएसी पर तैनात हैं। दोनों देशों में सैनिकों को पीछे हटाने को लेकर लगातार बातचीत हो रही है लेकिन कोई हल नहीं निकल रहा है।

भारत के 'नाग' से थरथर कांपेंगे दुश्मन, पोखरन में एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल का फाइनल ट्रायल सफल

पिछले दो महीनों में भारत ने लगभग 13 मिसाइलों का परीक्षण पूरा कर लिया है और आने वालों महीनों में कुछ अन्य मिसाइलों के लॉन्च की खबर भी सामने आई हैं।

नई दिल्ली। भारत ने आज डीआरडीओ द्वारा विकसित नाग एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल का अंतिम परीक्षण एक वारहेड के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया। आज सुबह 6 बज कर 45 मिनट पर मिसाइल का फाइनल ट्रायल पूरा किया गया। ये ट्रायल राजस्थान के पोखरन फील्ड के फायरिंग रेंज से पूरा किया गया। ये परीक्षण ऐसे समय में किया गया है जब भारत और चीन के एलएसी पर विवाद चल रहे हैं। इस ट्रायल के बाद अब मिसाइल भारतीय सेना में शामिल होने के लिए तैयार है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के अधिकारियों ने बताया कि भारत ने आज डीआरडीओ द्वारा विकसित नाग एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल का अंतिम परीक्षण सफलतापूर्वक किया।

एक नाग मिसाइल कैरियर से दागी गई नाग मिसाइल प्रणाली हमारे लक्ष्यों को 4 से 7 किलोमीटर की सीमा तक ले जा सकती है और इसे अपने लक्ष्य के लिए घर पर एक उन्नत साधक के साथ फिट किया जाता है। नाग मिसाइल एक तीसरी पीढ़ी की एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है, जिसमें शीर्ष हमले की क्षमता है जो दिन और रात के दौरान सभी

ज्ञात दुश्मन टैंकों को प्रभावी ढंग से संलग्न और नष्ट कर सकती है। सेना को 2.5 किमी से अधिक की स्ट्राइक रेंज के साथ तीसरी पीढ़ी के एटीजीएम की जरूरत है। उन्हें अपने मैकेनिककृत पैदल सेना इकाइयों को अपने रूसी बीएमपी वाहनों पर ले जाने के लिए सुसज्जित करने की आवश्यकता है।

सेना वर्तमान में दूसरी पीढ़ी के मिलान 2ञ और कोंकुर एटीजीएम का उपयोग कर रही है और तीसरी पीढ़ी की मिसाइलों की तलाश में है, जो दुश्मन के टैंकों को रोकने के लिए महत्वपूर्ण हैं। रक्षा मंत्रालय ने 2018 में भारतीय सेना के लिए 300 नाग मिसाइलों और 25 NAMICA का अधिग्रहण किया था।

बता दें कि पिछले दो महीनों में भारत ने लगभग 13 मिसाइलों का परीक्षण पूरा कर लिया है और आने वालों महीनों में कुछ अन्य मिसाइलों के लॉन्च की खबर भी सामने आई हैं। बताया गया है कि भारत जल्द ही ऐसे मिसाइल का परीक्षण करने वाला है जो 10 किमी से अधिक की स्टैंड-ऑफ दूरी से दुश्मन के टैंक को मार गिराने में सक्षम होगा। ये परीक्षण राजस्थान के पोखरण फील्ड के फायरिंग रेंज में किया गया। इस मामले की जानकारी रखने वाले वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया है कि इस मिसाइल का परीक्षण आने वाले दो महीनों में किया जाएगा।

बंगाल और असम चुनाव पर भी असर डालेंगे बिहार इलेक्शन के नतीजे

विपक्ष की जीत से TMC को मिलेगी ताकत

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार पूरे जोर पर है। ठीक एक सप्ताह बाद पहले चरण के लिए वोट डाले जाएंगे। सत्तारुढ़ जदयू-भाजपा गठबंधन के साथ राजद और कांग्रेस ने भी चुनाव में पूरी ताकत झोंक दी है। दोनों गठबंधन किसी भी कीमत पर एक-दूसरे को शिकस्त देना चाहते हैं। क्योंकि, उनकी हार-जीत बिहार के साथ कई दूसरे प्रदेशों के चुनाव का भी रुख तय करेगी। पश्चिम बंगाल, केरल, असम और तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे पश्चिम बंगाल और असम चुनाव का रुख तय करेंगे। यही वजह है कि भाजपा जहां जीत के लिए पूरी ताकत झोंक रही है, वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की नजर राजद-कांग्रेस और लेफ्ट गठबंधन पर है। वहीं, असम में कांग्रेस-भाजपा में मुकाबला है। पिछले लोकसभा चुनाव में जबरदस्त जीत के बाद भाजपा सिर्फ हरियाणा में किसी तरह सत्ता तक पहुंचने में सफल रही है। दिल्ली चुनाव में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में भाजपा बिहार में अपनी सत्ता गंवाती है, तो बंगाल में ममता बनर्जी को अपनी सरकार बचाए रखना ज्यादा मुश्किल नहीं होगा। भाजपा जीतती है, तो बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की चुनौती बढ़ जाएगी। पश्चिम बंगाल में हिंदी भाषियों की तादाद करीब 13 फीसदी है। इनमें उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों की संख्या लगभग 8 प्रतिशत है। यह मतदाता क्षेत्रीय दलों के बजाए राष्ट्रीय पार्टियों को वोट करते हैं। जब तक बंगाल में कांग्रेस मजबूत थी हिन्दी भाषी कांग्रेस के साथ थे। कांग्रेस के कमजोर होने और भाजपा के पकड़ मजबूत करने से यह वोट उसके साथ जुड़ गया है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हिन्दी भाषी खास कर बिहारी मतदाताओं में सेंध लगाने की कोशिश कर रही हैं। इसके लिए उन्होंने पार्टी में हिन्दी सेल के साथ छठ पूजा का आयोजन शामिल हैं। ऐसे में कुछ तृणमूल कांग्रेस को उम्मीद है कि वह हिन्दी भाषी मतदाताओं में सेंध लगाने में सफल रहेगी।

दुर्गा पूजा उत्सव में बोले पीएम मोदी

हम विभिन्न नीतियों के जरिए महिला सशक्तिकरण के लिए कर रहे काम

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल भाजपा द्वारा आयोजित पूजा का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं महाषष्ठी पर दुर्गा पूजा उत्सव का हिस्सा बनकर सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैं कोविड-19 महामारी के दौरान आयोजित की जा रही दुर्गा पूजा का जश्न मनाते समय सभी से सामाजिक दूरी बनाए रखने और मास्क पहनने का अनुरोध करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी मां दुर्गा 'दारिद्रय दुःख भय हारिणि' कही जाती हैं, 'दुर्गति-नाशिनी' कही जाती हैं। अर्थात, वो दुखों को, दरिद्रता को, दुर्गति को दूर करती हैं। इसलिए, दुर्गापूजा तभी पूरी होती है जब हम किसी के दुख को दूर करते हैं, किसी गरीब की मदद करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि महिषासुर का वध करने के लिए माता का एक अंश ही पर्याप्त था, लेकिन इस कार्य के लिए सभी दैवीय शक्तियां संगठित हो गई थीं। वैसे ही नारी शक्ति हमेशा से सभी चुनौतियों को परास्त करने की ताकत रखती है। ऐसे में सभी का दायित्व है कि संगठित रूप से सभी उनके साथ खड़े हों। प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाएं मां दुर्गा का प्रतीक हैं, हम विभन्न नीतियों और योजनाओं के जरिए महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रेप की सजा से जुड़े कानूनों को बहुत सख्त किया गया है, दुराचार करने वालों को मृत्युदंड तक का प्रावधान हुआ है। भारत ने जो नया संकल्प लिया है- आत्मनिर्भर भारत के जिन अभियान पर हम निकले हैं, उसमें भी नारी शक्ति की बहुत बड़ी भूमिका है।

नारीशक्ति को किया सशक्त!

उन्होंने कहा कि 22 करोड़ महिलाओं के बैंक खाते खोलना हो या फिर मुद्रा योजना के तहत करोड़ों महिलाओं को आसान ऋण देना हो। चाहे %बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ% अभियान हो या फिर तीन तलाक के खिलाफ कानून हो। देश की नारीशक्ति को सशक्त करने के लिए निरंतर काम किया जा रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भरता का संदेश देते हुए कहा कि ये बंगाल की ही धरती थी जिसने आज़ादी के आंदोलन में स्वदेशी को एक संकल्प बनाने का काम किया था। बंगाल की ही धरती से गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर और बंकिम चंद्र चटर्जी ने आत्मनिर्भर किसान और आत्मनिर्भर जीवन का संदेश दिया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

हास्यास्पद कार्रवाई

यह घटना जितनी दर्दनाक है, उसके बाद के घटनाक्रम उतने ही हास्यास्पद हैं। असम के लमडिंग रिजर्व फॉरेस्ट में 27 सितंबर को मालगाड़ी की टक्कर से 35 साल की एक हथिनी और उसके नन्हे बच्चे की मौत हो गई। जाहिर है, संबंधित वन अधिकारियों द्वारा वन्य-जीव (संरक्षण) कानून 1972 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया और एक विभागीय जांच टीम गठित की गई। उधर रेल विभाग ने अपनी प्राथमिक जांच के बाद मालगाड़ी के पायलट और सहायक को निलंबित कर दिया। लेकिन 20 अक्तूबर को वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने आंतरिक जांच-निष्कर्षों के आधार उस डीजल इंजन को जब्त कर लिया, जिससे कटकर हथिनी और उसके बच्चे की मौत हुई थी। शायद पहली बार एक रेल इंजन को किसी इंसान की आपराधिक लापरवाही का दंड भुगतना पड़ा है। यह पूरा घटनाक्रम हमारी कानूनी प्रक्रिया पर एक गंभीर व्यंग्य है।

यह कोई पहली घटना नहीं है, और हम दावा भी नहीं कर सकते कि आखिरी होगी। यथार्थवादी नजरिए के कारण ही नहीं, ऐसा इसलिए भी कि जिस यांत्रिक तरीके से हमारे अधिकारी कानून लागू करते हैं और कार्रवाई की प्रक्रिया पूरी कर अपने दायित्व से मुक्त हो लेते हैं, उससे हालात में बेहतरी की गुंजाइश नहीं बनती। क्या यह बताने की जरूरत होनी चाहिए कि इंसानों के खिलाफ हुए अपराधों की जांच व सुनवाई में ही वे बेहद संवेदनहीन रवैया अपनाते हैं? ऐसे कितने ही उदाहरण गिनाए जा सकते हैं, जब अपराध या जुर्म जैसे शब्द से नावाकिफ मासूम बच्चों को मुकदमों में नामजद कर दिया गया। फिर ऐसे तंत्र और समाज से हाथियों या अन्य संरक्षित जीवों के प्रति संवेदनशील नजरिया अपनाने की अपेक्षा भी कैसे कोई करे? सरकार ने खुद इसी साल राज्यसभा में बताया था कि साल 2014 से 2019 के बीच देश में 510 हाथी मारे गए, बिजली करंट से, ट्रेनों से कटकर या फिर शिकारियों, ग्रामीणों द्वारा विष देकर।

राजकीय अभयारण्यों या संरक्षित वन क्षेत्रों से गुजरने वाले रेल-मार्गों के बारे में पहले से ही कायदे-कानून हैं कि उनकी सीमा में गाड़ियों की रफ्तार कितनी होनी चाहिए। बावजूद इसके ऐसी घटनाएं हर कुछ अंतराल पर मीडिया में सुर्खियां बटोरती रहती हैं। लमडिंग रिजर्व फॉरेस्ट के अधिकारियों का दावा है कि रेलवे से यह लिखित अनुरोध काफी पहले किया जा चुका है कि इस वन क्षेत्र में गाड़ियों की गति 30 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक नहीं होनी चाहिए। इंजन जब्त करने की उनकी कार्रवाई से संकेत मिलता है कि तय गति-सीमा का उल्लंघन हुआ था। लेकिन इंजन जब्त करके वन विभाग क्या संदेश देना चाहता है? वह कोई निजी वाहन है, जिसे कानूनी प्रक्रिया पूरी होने तक किसी थाने में सड़ने के लिए फेंक दिया जाए? हमारे देश में हर वर्ष कई रेल दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें काफी सारे नागरिकों की जान चली जाती है। उन तमाम रेल इंजनों का क्या किया जाए? बाबा साहब आंबेडकर ने कहा था, अगर लागू करने वाले लोग ही अच्छे न हों, तो एक अच्छा संविधान भी बुरा साबित होता है। दुर्भाग्य से, हमारे देश में कानून लागू करने वाले लोग अक्सर अक्षरों के पीछे की असली मंशा नहीं समझ पाते, इसीलिए हमारा तंत्र संवेदनशील नहीं बन पाता। हाथी कटते रहते हैं, मुकदमे चलते रहते हैं।

माफी की मजबूरी

मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने प्रदेश की मंत्री इमरती देवी को 'आइटम' कहने पर खेद जताया है। दरअसल, एक चुनावी में उनकी जुबान फिसल गई और उन्होंने इमरती देवी को इस शब्द से नवाज दिया। चुनावी वेला होने के कारण इसकी तीव्र प्रतिक्रिया हुई। कांग्रेस की प्रमुख प्रतिद्वंद्वी भाजपा ने तो कमलनाथ के कथन को हाथोंहाथ लपक लिया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मौन पर बैठ गए। उत्तर प्रदेशकी पूर्व मुख्यमंत्री एवं दलितों की आवाज समझी जाने वाली मायावती ने भी कमलनाथ के कथन का तीव्र विरोध किया। कांग्रेस आला कमान को लगा कि कमलनाथ ने खेद नहीं जताया तो पार्टी का खासा नुकसान हो जाएगा। चूंकि यह चुनावी समय है इसलिए उसके लिए नतीजे प्रतिकूल निकल सकते हैं। न केवल दलित, बल्कि महिला मतदाताओं में इस कथन पर गलत संदेश जाएगा। पार्टी को इतना नुकसान होगा जिसकी भरपाई नहीं हो सकेगी। हालांकि यह पहली दफा नहीं हैग जब कांग्रेस के किसी कद्दावर नेता, बल्कि कहें कि तमाम दलों में ऐसे नेता हैंग के बयान पर बवाल उठा हो। दिग्विजय सिंह से लेकर बिसाहू लाल, जिन्होंने मध्य प्रदेश में ही अभी कुछदिन पहले ही घोर विरोधी महिला बयान दिया हैग तक तमाम नेता हैं जिन्होंने जब-तब महिलाओं के सम्मान को चोटिल करने वाले बयान दिए हैं और बेहयाईसे अपने कहे को तार्किक ठहराने में भी कसर नहीं छोड़ी। मजे की बात यह कि नेता कोई भी हो, किसी भी पार्टी का होग उसकी पार्टी के आला कमान ने हमेशा ही उसके आपत्तिजनक बयान से पल्ला झाड़ लिया। कहते हुए कि यह निजी बयान हैग पार्टी का उससे कुछ लेना देना नहीं। पार्टी की राय वैसी नहीं है, जैसा कि बयान देने वाले की है। लेकिन चुनावी समय है, इसलिए कांग्रेस आला कमान ने तेजी दिखाते हुए कमलनाथ से अपने कहे पर खेद जताने को कहा। क्या इससे विवादास्पद बयान देने का सिलसिला किसी माफी या खेद जताने से थम जाने वाला है। नहीं, क्योंकि यह जानबूझी गलती होती है। यह गलती की जाती है किसी प्रत्याशी को कमतर दिखाने के लिए। श्रेष्ठि वर्ग को वर्ग विशेष के प्रत्याशी के खिलाफ लामबंद करने के लिए और मुददों से ध्यान भटकाने के लिए। किसी पार्टी का आला कमान भी ऐसे बयानों को गंभीरता से नहीं लेता वरना यह बुराई रहने नहीं पाती। कमल नाथ भी खेद तक नहीं जताते लेकिन चुनावी समय है, इसलिए दरपेश थी माफी मंगवाने की विवशता।

कटाक्ष/सहीराम

का बा, ई बा

कवि ने कहा था-आह से उपजा होगा गान.। लेकिन बिहार के चुनावों को देखकर तो लगता है कि चुनावों से उपजा होगा गान। कभी चुनाव के वक्त राजनीतिक पातटयां अपने चुनाव घोषणापत्र जारी करती थीं। अब गाने लॉन्च करती हैं। ये गाने समझिए घोषणापत्र भी हैं और आरोपपत्र भी। चुनावी राजनीति में नारों का जो स्थान था, लगता है उसे गानों ने हथिया लिया है। नारों में जोश चाहिए होता है, वह अब ऐसी मंदी और बेरोजगारी में कहां बचा है। कुपोषण ने सारा जोश चूस लिया। सोग अब प्रभु के गुणों की तरह गाने गाइए। का बा, ई बा। हालांकि एक लिहाज से यह भी विकास है-गानों का। लेकिन फिर इसे नारों का पतन मानना पड़ेगा। यह भी चुनावी हार-जीत वाला ही मामला हो गया। एक जीतेगा तो दूसरा हारेगा। पर नारों का पतन कहीं जुमलों का पतन न साबित हो जाए। सरसरी तौर पर देखें तो नारों और जुमलों में कोई खास फर्क नहीं होता। बसग फर्क यही होता है कि नारा कम विश्वसनीय होने पर भी जुबान पर चढ़ जाता है और जुमला अविश्वसनीय होने पर भी जुमलेबाज के लिए तालियां बटोर लेता है। अब तक चुनाव का अर्थ था-नारा, वादा और जुमला। अब गाना हो गया है। गाना एक तरह का मोबाइल फोन है जिसमें टेलीफोन, घड़ी, कैमरे आदि विभिन्न उपकरणों का समावेश हो गया है। गाना एक तरह का सिनेमा हैग जिसमें नृत्यग नाटक, गीत-संगीत आदि कलाओं का समावेश हो जाता है। गाने में भी नारोंग वादों और जुमलों का समावेश हो गया है।

तो बिहार चुनाव में अब नारे नहीं हैं, वादे नहीं हैं, जुमले भी नहीं हैं, अब गाने हैं। हालांकि थोड़े बहुत वादे और जुमले तो अब भी होंगे ही। इन मसालों के बिना चुनाव चटपटा नहीं बनता। लेकिन सबसे ज्यादा दुर्गत नारों की हुई है। हालांकि वादे और जुमले भी कब तक रहेंगेग पता नहीं। अलबत्ताग एक बात हमेशा तय होती है कि वादों और जुमलों की पोल चुनाव संपन्न होते ही खुल जाती है। नारों का सफर थोड़ा लंबा होता था। वे ज्यादा दीर्घजीवी होते थे। पर गाने तो ज्यादा अल्पायु साबित होंगे। अब ये कोई सिनेमा के सुनहरे दौर के गाने तो हैं नहीं कि पचास-साठ साल बाद भी पुराने न हों। यह तो रात गईग बात गई वाला मामला है। चुनाव खत्मग गाने खत्म। इन गानों से ज्यादा दीर्घायु तो माता के जागरण वाले गाने साबित होते हैं। जागरण पुराना नहीं होता। खैर, बिहार में आजकल चुनावी जागरण चल रहा हैग इसमें भी तरह-तरह के गाने बज रहे हैं। माता के जागरण के गानों में माता का गुणगान होता है और इनमें नेता का गुणगान होता है। जनता तो झूमने के लिए ही होती है।

कैसी हो पुलिस, समाज तय करे

ओपीएस मलिक

टेलीविजन रेटिंग प्वॉइंट्स (टीआरपी) घोटाले की आंच अब उत्तर प्रदेश तक पहुंच गई है। राज्य सरकार की सिफारिश पर हजरतगंज (लखनऊ) पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले को सीबीआई के हवाले कर दिया गया है। टीआरपी में यदि गड़बड़ी हुई है, तो यह वाकई गंभीर अपराध है और अपराधियों को कानून के मुताबिक सजा मिलनी ही चाहिए। मगर इस घोटाले के दो अन्य पहलू भी हैं, जिन पर ज्यादा ध्यान दिए जाने की जरूरत है। पहला पहलू मीडिया की आजादी से जुड़ा है, तो दूसरा, कानून लागू करने वाली एजेंसियों के कामकाज से। इन एजेंसियों में पुलिस, प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई जैसी तमाम संस्थाएं शामिल हैं।

मीडिया अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर खुद को स्वतंत्र मानता है। इस मौलिक अधिकार का जिक्र संविधान के अनुच्छेद-19 में है। मगर 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू होने के कुछ महीनों बाद ही यह महसूस किया जाने लगा था कि इस अधिकार को लोग असीमित मानने लगे हैं। इसीलिए 1951 में खुद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पहला संविधान संशोधन विधेयक लेकर आए, जिसमें कहा गया कि सार्वजनिक हित में मौलिक अधिकारों पर पाबंदी लगाई जा सकती है। नेहरू का कहना था कि ये बेशक सांविधानिक अधिकार हैं, लेकिन देश की सुरक्षा व सामाजिक हित के लिए एक सीमा के बाद इन अधिकारों पर पाबंदी जरूरी है। जब किसी एक का मौलिक अधिकार दूसरे व्यक्ति के अधिकार को प्रभावित करे, तो उस पर बंदिश लगनी ही चाहिए। नेहरू ने ये बातें मीडिया के संदर्भ में नहीं कही थीं, पर आज ये उस पर कहीं ज्यादा सटीक बैठ रही हैं। उनकी बातों का अर्थ यही था कि मौलिक अधिकार और उनके इस्तेमाल के बीच एक संतुलन आवश्यक है।

> मामला टीआरपी का हो या फिर अभिव्यक्ति का, मौलिक अधिकारों का सही इस्तेमाल नहीं हो रहा, इसीलिए बाहरी पुलिसिंग की जरूरत बढ़ती जा रही है।

दुर्भाग्य से, यही संतुलन आज बिगड़ता दिख रहा है। संविधान सभी से यह अपेक्षा करता है कि लोग उन कानूनों का पालन करेंगे, जो संविधान-विरोधी नहीं हैं। मगर जब ऐसा नहीं होता, तो पुलिसिंग शुरू हो जाती है। पुलिसिंग और पुलिस एजेंसी, दोनों अलग-अलग अवधारणाएं हैं, इसे एक समझने की भूल कतई न करें। पुलिसिंग एक व्यापक विचार है, जिसमें कानून लागू करने वाली प्रक्रिया के सभी अंग आते हैं। यह दो तरह की होती है, आंतरिक और बाहरी। मीडिया के मामले में प्रेस कौंसिल ऑफ इंडिया, न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन या सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन जैसी संस्थाएं आंतरिक तौर पर रेग्यूलेट, यानी विनियमन का काम करती हैं। जबकि बाहरी पुलिसिंग का काम कानून लागू करने वाली एजेंसियों के जिम्मे है। अभी दिक्कत यह है कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर मौलिक अधिकारों का जिम्मेदारी के साथ इस्तेमाल नहीं हो रहा, जिस कारण बाहरी पुलिसिंग की जरूरत बढ़ती दिख रही है। मगर सवाल यह है कि जिसे यह जिम्मेदारी सौंपी जा रही है, वह एजेंसी इसके लिए कितनी तैयार है?

बेशक पुलिस कानून लागू करने वाली एकमात्र एजेंसी नहीं है, मगर आम धारणा में यह उसी का दायित्व माना जाता है। इसकी बड़ी वजह यह है कि अपने यहां पुलिस सरकार का हिस्सा है, जबकि अमेरिका, जापान जैसे तमाम देशों में यह एक स्वायत्त संस्था है। इसी कारण अपने यहां पुलिस का सदुपयोग कम, दुरुपयोग ज्यादा दिखता है। इतना ही नहीं, अपने यहां पुलिस की जिम्मेदारी दोहरी प्रवृत्ति की है। वह नियुक्ति, तबादला, सेवा निवृत्ति जैसे कामों के लिए सरकार व राजनेताओं पर निर्भर है, जबकि कानून लागू करने के वास्ते न्यायपालिका के प्रति जवाबदेह है। यह एक ऐसा भंवरजाल है, जिससे भारतीय पुलिस चाहकर भी नहीं निकल पा रही। पुलिस की इसी दोहरी प्रकृति का लाभ सरकार उठाती है। बाबरी मस्जिद ध्वंस इसका एक बड़ा उदाहरण है। 6 दिसंबर, 1992 को जब आयोध्या में बाबरी मस्जिद गिराई गई थी, तब आनन-फानन में वहां के तत्कालीन डीएम और एसएसपी को निलंबित कर दिया गया था, लेकिन आज की तारीख में कानूनन कोई राजनेता या कोई इंसान इस घटना का कुसूरवार नहीं है।

जाहिर है, लोकतंत्र में पुलिस के माध्यम से शासन करने का तरीका गलत है। स्थिति यह है कि आज पुलिस-प्रशासन को लेकर विपक्ष और सत्ता पक्ष की अपनी-अपनी दलीलें हैं। जो आज सत्ता में है, वह विपक्ष में जाने पर वही भाषा दोहराता है, जो आज विपक्षी दल बोल रहे होते हैं। पुलिस सैद्धांतिक तौर पर 'एजेंसी ऑफ लॉ' (कानून लागू करने वाली संस्था) होती है, पर असलियत में उसे 'रूलर्स एजेंसी' (शासकों की एजेंसी) बना दिया गया है। नतीजतन, आज पुलिस जो कुछ भी करती है, हर किसी को यही लगता है कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे शख्स के इशारे पर वह हो रहा है। अब 'अपराधी और पुलिस के गठजोड़' जैसी बातें बेमानी हो चुकी हैं। इससे भी खतरनाक गठजोड़ 'पुलिस और राजनेता' का बन चुका है। लिहाजा समाज को ही यह सोचना होगा कि उसे कैसी पुलिस चाहिए? मीडिया से अपेक्षा होती है कि वह समाज को इस बाबत जागरूक करेगा, लेकिन दुखद है कि उसे भी पूरी जानकारी नहीं है। आजकल हम यह चर्चा तो खूब करते हैं कि अपने यहां एक लाख की आबादी पर सिर्फ 144 पुलिसकर्मी हैं, जबकि संयुक्त राष्ट्र कम से कम 222 पुलिसकर्मियों की वकालत करता है। मगर हम अपने समाज की प्रकृति पर बहस नहीं करना चाहते। स्वीडन में पुलिस की उतनी जरूरत नहीं होती। नॉर्वे, डेनमार्क जैसे देशों में भी नाममात्र के पुलिसकर्मी दिखेंगे। इसका अर्थ है कि उन समाजों को पुलिसिंग के लिए पुलिस की उतनी जरूरत नहीं है। लोग खुद-ब-खुद नियम-कानूनों का पालन करते हैं। आदर्श स्थिति भी यही है कि समाज में पुलिस का कम से कम दखल हो, लेकिन अपने यहां हालात उलट हैं।

सन1980 के आसपास जब मैं मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) में तैनात था, तब स्थानीय लोग यह पूछने भी आते थे कि वे त्योहार मनाएं कि नहीं? ऐसा इसलिए, क्योंकि उन्हें अपने आसपास सीआरपीएफ या केंद्रीय बल की तैनाती नहीं दिखती थी। वे आश्वस्त होना चाहते थे कि सब ठीक-ठाक रहेगा। मानो, त्योहार इन टुकड़ियों को मनाना हो, उन्हें नहीं! साफ है, एक जागरूक समाज ही अच्छी पुलिसिंग की व्यवस्था कर सकता है। मगर दुर्भाग्य से हमारा समाज इसके लिए तैयार नहीं है, और पुलिस भी उत्तरोत्तर शासन का हिस्सा बनती जा रही है, जिससे होने वाली गड़बड़ियां हमारे सामने हैं। हमें यह मान लेना चाहिए कि जब पुलिस को राजनीतिक पार्टी का हिस्सा बना दिया जाएगा, तब सदुपयोग से ज्यादा उसके दुरुपयोग होंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पंजाब के कृषि बिल

आधे-अधूरे सुधारों की विसंगतियां

राजेन्द्र चौधरी

केन्द्र सरकार द्वारा हाल ही में पारित कृषि कानूनों का बड़े पैमाने पर विरोध हो रहा है। ये विरोध मूलत- उचित है पर अधूरा है। इस अधूरे विरोध का एक स्पष्ट उदाहरण 20 अक्तूबर को पंजाब विधानसभा द्वारा नये केन्द्रीय कृषि कानूनों में संशोधन हेतु पारित बिल हैं। देर-सवेर अन्य कांग्रेस शासित राज्य भी संभवत- ऐसे कानून पारित करें। इसलिए पंजाब द्वारा पारित कानूनों की समीक्षा ज़रूरी है।

इनका मुख्य प्रावधान है-न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम दाम पर खरीद को गैरकानूनी घोषित करना। बड़े पैमाने पर किसान संगठनों की भी यही मांग थी पर इन कानूनों में यह आश्वासन नहीं है कि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद सुनिश्चित करेगी। अगर ये पंजाब द्वारा पारित कानून अपने वर्तमान रूप में राष्ट्रपति की अनुमति के बाद, जिस पर संशय है, कड़ाई से लागू हो भी जाते हैं तो इससे यह सुनिश्चित नहीं होगा कि किसान को न्यूनतम समर्थन मूल्य मिले। बल्कि इसका प्रभाव यह होगा, अगर कानून का कड़ाई से पालन होता है तो काफी सारे किसानों की फसल बिकेगी ही नहीं। अब व्यापारी इस बात के लिए तो बाध्य होगा कि अगर वह किसान की उपज खरीदे तो न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम पर न खरीदे, पर वह खरीदने के लिए बाध्य नहीं होगा और न ही सरकार खरीदने को बाध्य है।

कुल मिलाकर इसका वही हश्र होने वाला है जो मान्यताप्राप्त निजी स्कूलों और कालेजों में होता है। कर्मचारी हस्ताक्षर तो कानूनी रूप से देय वेतन पर करता है, बल्कि उसके बैंक खाते में भी यही वेतन आता है पर वास्तव में उससे वेतन मिलता बहुत कम है । औपचारिक पड़ताल करने पर वह यह कहने पर भी विवश है कि उसे पूरा देय वेतन मिलता है। अगर सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी नहीं करती तो अब किसान को भी यही करना पड़ेगा; कम दाम लेकर कहना पड़ेगा कि पूरा दाम मिला है।

यह कोई चूक नहीं है। पंजाब सरकार द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार विधानसभा में बहस के दौरान विपक्ष द्वारा सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद का आश्वासन देने की मांग पर न केवल पंजाब सरकार ने इसको ख़ारिज कर दिया अपितु इसको अव्यावहारिक भी बताया। जब सरकार ही न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी के आश्वासन को अव्यावहारिक मानती है तो फिर न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम पर खरीदी पर सज़ा के प्रावधान का क्या अर्थ रह जाता है? और जब 'किसानों की हितैषी' सरकारें यह सुनिश्चित करने को तैयार नहीं हैं कि किसान को न्यूनतम समर्थन मूल्य मिले तो फिर न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा करने का क्या अर्थ है?

यह प्रश्न पंजाब द्वारा पारित किये गए कृषि सम्बन्धी कानूनों के एक अन्य प्रावधान के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण हो जाता है। पंजाब द्वारा पारित कानून के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम दाम पर खरीदी पर सज़ा का प्रावधान केवल गेहूं एवं धान की खरीद पर लागू होगा, न कि सब फसलों पर। इस प्रावधान से दो बातें साबित हो जाती हैं। एक तो मोदी सरकार की तरह पंजाब सरकार का किसानों के हितों की रक्षा का दावा भी खोखला है। गन्ने के अलावा 22 फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा बरसों से की जा रही है, तो केवल गेहूं एवं धान की न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम पर खरीदी पर सज़ा क्यों, बाकी पर क्यों नहीं? इसका स्पष्ट अर्थ है कि बाकी फ़सल बोने वाले किसानों की सरकार को कोई चिंता नहीं है। इसके अलावा यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि केंद्र से लेकर राज्य सरकारें, आज नहीं, दशकों से हरियाणा-पंजाब में फसल विविधीकरण की ज़रूरत को रेखांकित कर रही हैं। जब सरकार स्वयं न्यूनतम समर्थन मूल्य दिलवाने के अपने औपचारिक वायदों को भी केवल गेहूं-धान तक सीमित कर रही है तो किसान से कैसे उम्मीद करें कि वह गेहूं-धान को छोड़कर दूसरी फसलों को उगाये?

पंजाब सरकार ने केन्द्रीय अनुबंध खेती कानून में संशोधन करके न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम दाम पर खरीदी को गैरकानूनी घोषित किया है। अधिकांश किसान संगठनों की भी यही मांग थी। इस गहमागहमी में यह बात नज़रअंदाज़ कर दी गई है कि अनुबंध खेती कानून में न केवल बिक्री के सौदे का प्रावधान है अपितु 'सभी किस्म के कृषि कार्यों' को शामिल किया गया है। इस तरह से इस कानून ने परोक्ष रूप में कम्पनियों द्वारा किसान से ज़मीन लेकर खुद खेती करने की राह भी खोल दी है। शुरू में ये कम्पनियां अच्छे पैसे भी देंगी। एक बार विशालकाय कम्पनियों की पकड़ खेती पर हो गई तो फिर किसानों को ठेके के वो भाव भी नहीं मिलेंगे जो आज मिलते हैं। पर खतरा केवल इतना नहीं है। दांव पर खेती किसानी नहीं, देश की अन्न सुरक्षा एवं पूरी अर्थव्यवस्था है।

किसान हितैषी होने के पंजाब सरकार के दावे इसलिए भी खोखले नज़र आते हैं क्योंकि इसमें एपीएमसी मंडी सुधार के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया। अगर बाकी विरोधी दलों की सरकारें भी पंजाब जैसे लचर कानून पास करती हैं तो ये लीपापोती होगी। न इससे किसानों का भला होने वाला है और न मोदी विरोध प्रभावी होगा।

अमेरिकी चुनाव

निर्णायक होगा आप्रवासन मुद्दा

अमरीश त्यागी

अमेरिका के इतिहास में राष्ट्रपति चुनावों को कभी भी स्थगित नहीं किया गया। यहां तक कि अमेरिकी नागरिक युद्ध, प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध, 9/11 आतंकवादी हमलों या स्पेनिश फ्लू के दौरान भी चुनावों को स्थगित नहीं किया गया। अभी कोरोना काल के दौरान भी चुनाव को टालने की बात जोर शोर से हुई लेकिन चुनाव अपने निर्धारित समय पर ही आहूत है। अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव 3 नवम्बर, 2020 को होना तय है। रोचक तथ्य है कि अमेरिका में चुनावी वर्ष के नवम्बर माह के पहले मंगलवार को ही चुनाव कराया जाता है।

जहां तक चुनावी मुद्दों की बात है, तो इस बार आप्रवासियों का मुद्दा ट्रंप और बिडेन, दोनों के लिए सफलता और विफलता निर्धारित करने जैसा मुद्दा है। 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव और उसके बाद से आप्रवासी मतदाताओं का मुद्दा चुनाव में जीत की दृष्टि से काफी अहम माना जा रहा है। शायद इसलिए कि ट्रंप द्वारा अवैध आव्रजन, सीमा पर दीवार का निर्माण, सीरिया से शरणार्थियों और 'सैंक्चुअरी सिटीज' आदि विषयों पर कड़ा रु ख अपनाया गया। यूनाइटेड किंगडम में ब्रेक्सिट वोट, जर्मनी (2017) और इटली (2018) में हालिया राजनीतिक चुनावों ने आप्रवासियों की विवादास्पद राजनीतिक भूमिका और आप्रवासियों को लेकर विरोधी रुख से मिली चुनावी सफलता को उजागर किया है।

इस वर्ष के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में मतदान करने योग्य लगभग हर 10 में से 1 मतदाता आप्रवासी है और इन 2.3 करोड़ नागरिकों में अधिकांश (61त्न) सिर्फ पांच राज्यों में रहते हैं। किसी भी अन्य राज्य की तुलना में कैलिफोर्निया में सबसे अधिक आप्रवासी मतदाता (55 लाख) हैं, जो न्यूयूयॉर्क (25 लाख), फ्लोरिडा (25 लाख), टेक्सॉस (18 लाख)और न्यू जर्सी (12 लाख) से कहीं अधिक हैं। इन पांच राज्यों में रह रहे आप्रवासी मतदाताओं पर दोनों ही दलों की नजर टिकी हैं।

अमेरिका में 2000 में लगभग 1.2 करोड़ विदेशी मूल के मतदाता थे और 2018 तक यह संख्या बढ़कर 2.2 करोड़ हो गई। इस साल यह 2.3 करोड़ है। जैसे-जैसे चुनाव की तारीख करीब आ रही है, इन मतदाताओं को लेकर नये-नये आंकड़े भी सामने आ रहे हैं। पीयू रिसर्च सेंटर के अनुसार एशियाई अमेरिकी मतदाताओं की संख्या 2000 में 46 लाख से बढ़कर 2020 में 1.1 करोड़ हो गई यानी 139त्न की वृद्धि। कमला हैरिस को डेमोक्रेट्स की ओर से उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बनाया गया है। हाल ही में जो बिडेन ने कैलिफोर्निया की सीनेटर कमला देवी हैरिस के नाम की घोषणा कर अपना चुनावी दांव चल दिया। इस कदम की कई स्पेक्ट्रमों खासकर भारतीय अमेरिकियों ने सराहना की है क्योंकि पहली बार है कि भारतीय मूल के व्यक्ति (वह भी एक महिला) को अमेरिका में राष्ट्रीय कार्यालय के लिए नामित किया गया है। वह पहली अेत, अफ्रीकी अमेरिकी और एशियाई अमेरिकी महिला भी होंगी जिन्हें बहुमत वाली पार्टी द्वारा उपराष्ट्रपति के लिए नामांकित किया गया है। क्या वह एशियाई अमेरिकियों के वोटों को स्विंग करने में सक्षम होंगी? मुख्य रूप से डेमोक्रेट के पक्ष में भारतीय अमेरिकियों को देखा जाना बाकी है।

भारतीय अमेरिकियों को किसी भी अन्य एशियाई समूह की तुलना में डेमोक्रेट के पक्ष में जाने की सबसे अधिक संभावना है। फिर अमेरिका और भारत के शीर्ष नेतृत्व के बीच सौहार्दपूर्ण संवाद वाले माहौल और कई अवसरों पर दोनों का एक दूसरे के लिए समर्थन जैसी भावना से लग रहा था कि भारतीय ट्रंप के पक्ष में ही खड़े होंगे लेकिन ट्रंप के गैर-जिमेदराना बयानों से पहले जैसी संभावनाएं कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जो भारतीय अमेरिकी एक साल पहले तक उनके पक्ष में नजर आते थे वो कहीं न कहीं उनसे दूर जा रहे हैं। लेकिन इस बार भारतीय अमेरिकी किस रास्ते पे जाएंगे, इसे जानने की उत्सुकता अमेरिका के साथ-साथ भारत में भी है। बहरहाल, रिपब्लिकन और डेमोक्रेट, दोनों भारतीय अमेरिकी वोट हासिल करने के लिए प्रयासरत हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कमजोर मांग से तांबा वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली, घरेलू बाजार की कमजोर मांग के बीच कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को तांबा वायदा की कीमत 50 पैसे की गिरावट के साथ 539.40 रुपये प्रति किलो रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में नवंबर माह में डिलीवरी वाले तांबा अनुबंध की कीमत 50 पैसे यानी 0.09 प्रतिशत घटकर 539.40 रुपये प्रति किलो रह गई। इस अनुबंध में 2,309 लॉट के लिये कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने तांबा वायदा कीमतों में गिरावट आने का कारण हाजिर बाजार की कमजोर मांग की वजह से सटोरियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने को बताया।

देश में जुलाई-सितंबर में बिके पांच करोड़ स्मार्टफोन, चीनी कंपनियों की 76 प्रतिशत हिस्सेदारी

नयी दिल्ली. लॉकडाउन के बाद देश में स्मार्टफोन बाजार में फिर से सुधार दिखायी दे रहा है। वर्ष 2020 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में इनकी बिक्री अब तक के सर्वकालिक उच्च स्तर यानी पांच करोड़ इकाई रही। इस दौरान, बाजार में सभी चीनी कंपनियों की कुल 76 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। बाजार के आंकड़े जुटाने वाली कंपनी कैनालिस की रपट के मुताबिक शीर्ष पांच मोबाइल फोन कंपनी शियोमी, सैमसंग, विवो, रीयलमी और ओप्पो की बिक्री में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में वृद्धि दर्ज की गयी है। कैनालिस ने एक बयान में कहा, '' 2020 की तीसरी तिमाही में देश में स्मार्टफोन की बिक्री आठ प्रतिशत बढ़कर पांच करोड़ इकाई रही। पिछले साल इसी तिमाही में यह 4.62 करोड़ इकाई रही थी। यह देश में किसी एक तिमाही में स्मार्टफोन की बिक्री का सर्वकालिक उच्च स्तर है।'' शियोमी 26.1 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर रही। कंपनी ने 1.31 करोड़ फोन की बिक्री की। सैमसंग ने वीवो को पछाड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। कंपनी ने 1.02 करोड़ फोन की बिक्री के साथ 20.4 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल की। इसके बाद वीवो की 88 लाख फोन की बिक्री के साथ 17.6 प्रतिशत, रीयलमी की 87 लाख के साथ 17.4 प्रतिशत और ओप्पो की 61 लाख स्मार्टफोन की बिक्री के साथ 12.1 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। समीक्षावधि में एपल ने भी बाजार में दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की और इस दौरान आठ लाख इकाई की बिक्री की। कैनालिस के शोध विश्लेषक वरुण कन्नन ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में भारत-चीन के बीच का तनाव लोगों के बीच चर्चा का प्रमुख विषय रहा है। लेकिन बाजार में लोगों के खरीद निर्णयों पर इसका असर अभी दिखना बाकी है। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के तनाव के बीच सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों में चीनी उत्पादों के बहिष्कार का मुद्दा छाया रहा। इस बीच सरकार ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और अखंडता को खतरा बताते हुए कई चीनी मोबाइल ऐप को प्रतिबंधित किया है।

ईईएसएल थाईलैंड की ई-वाहन कंपनी एसडब्ल्यूएजी में करेगी निवेश

नयी दिल्ली . सार्वजनिक क्षेत्र की एनर्जी इफीशिएंसी सर्विसेज लि. (ईईएसएल) ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह थाईलैंड की इलेक्ट्रिक-वाहन कंपनी एसडब्ल्यूएजी ईवी में निवेश की योजना बना रही है। यह कंपनी इलेक्ट्रिक मोटरबाइक के लिये अदला-बदली व्यवस्था पर आधारित बैटरी उपलब्ध कराने के लिये स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग करती है। थाईलैंड में करीब 2.1 करोड़ मोटरबाइक हैं। ईईएसएल ने एक बयान में कहा कि बैटरी को सौर ऊर्जा से चार्ज किया जाता है। बैटरी की अदला-बदली व्यवस्था पर आधारित ई-बाइक के जरिये वे जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के साथ स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर शहर बनाने में योगदान दे सकते हैं। बयान के अनुसार ई-बाइक बैटरी व्यवस्था कुल ऊर्जा में नवीकरणीय ऊर्जा की अधिक हिस्सेदारी के जरिये पावर ग्रिड की क्षमता बढ़ाएंगी। इससे थाईलैंड में कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। यह धारणा दुनिया भर में लागू करने योग्य है और यह परियोजना भारत में कार्यान्वयन के आधार के रूप में काम करेगी।

रेल कर्मचारियों को मिलेगा 78 दिन का बोनस, कैबिनेट ने दी मंजूरी

नई दिल्ली :

रेलवे ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसके करीब 11.58 लाख गैर-राजपत्रित कर्मचारियों को वित्त वर्ष 2019-20 के लिये 78 दिन के वेतन के बराबर बोनस देने की मंजूरी दी गयी है। रेल कर्मचारियों का उत्पादकता आधारित बोनस कुल 2081.68 करोड़ रुपये अनुमानित है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को हुई बैठक में रेल मंत्रालय के 2019-20 के लिये अपने सभी पात्र गैर-राजपत्रित कर्मचारियों (आरपीएफ/आरपीएसएफ कर्मचारियों को छोड़कर) को 78 दिन के वेतन के बराबर उत्पादकता आधारित बोनस देने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। रेलवे के गैर-राजपत्रित कर्मचारियों को 78 दिन का उत्पादकता आधारित बोनस (पीएलबी) दिये जाने से 2,081.68 करोड़ रुपये का वित्तीय बोझ पड़ने का अनुमान है। बोनस के लिये पात्र गैर-राजपत्रित रेल कर्मचारियों के लिये वेतन आकलन सीमा 7,000 रुपये प्रति महीना तय की गई है। रेल मंत्रालय के बयान के अनुसार इसके तहत पात्र रेल कर्मचारी को 78 दिन के लिये अधिकतम 17,951 रुपये बोनस मिलेगा। इस निर्णय से रेलवे के करीब 11.58 लाख गैर-राजपत्रित कर्मचारियों को लाभ होगा। रेलवे के उत्पादकता आधारित बोनस में सभी गैर-राजपत्रित कर्मचारी (आरपीएफ/आरपीएसएफ कर्मचारियों को छोड़कर) शामिल हैं। रेल कर्मियों को हर साल पीएलबी दुर्गा पूजा/दशहरा से पहले मिलता है। बयान के अनुसार, ''मंत्रिमंडल के निर्णय के तहत... 2019-20 के लिये 78 दिनों का वेतन बोनस के रूप में दिया जाएगा। इससे उम्मीद है कि कर्मचारी रेलवे के प्रदर्शन में सुधार लाने के लिये प्रेरित होंगे।'' रेलवे ने कहा, ''पात्र रेल कर्मचारियों को पीएलबी हर साल दुर्गा पूजा/दशहरा से पहले मिलता है। इस वर्ष भी मंत्रिमंडल के निर्णय को इस साल के दुर्गा पूजा..दशहरा अवकाश से पहले क्रियान्वित किया जाएगा।''

क्वालकॉम भारत की 5जी संभावनाओं को लेकर आशान्वित, तेजी से प्रगति की उम्मीद

नयी दिल्ली, प्रौद्योगिकी कंपनी क्वालकॉम भारत की 5जी संभावनाओं को लेकर आशान्वित है। इसकी वजह बाजार के सकारात्मक संकेत, दूरसंचार उपयोक्ताओं का व्यापक आधार और शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में बदलाव के अवसर मौजूद होना है। क्वालकॉम के भारतीय परिचालन के उपाध्यक्ष राजेन वगाडिया ने कहा कि कंपनी का इस क्षेत्र में तेजी से प्रगति होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि 5जी उपकरणों के क्षेत्र में तरक्की का 'सकारात्मक' असर इससे जुड़ी पूरी व्यवस्था पर पड़ेगा। वगाडिया बुधवार शाम को एक वर्चुअल बैठक में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 5जी उपकरणों की प्रगति बहुत तेजी से हो रही है। देश में 5जी नेटवर्क उपलब्ध नहीं होने के बावजूद बाजार में कई कीमतों में इसके उत्पाद दिख रहे हैं।

एशियन पेंट्स का दूसरी तिमाही शुद्ध लाभ 1.15 प्रतिशत बढ़कर 851.90 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली,

एशियन पेंट्स का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की 30 सितंबर को समाप्त दूसरी तिमाही में 1.15 प्रतिशत बढ़कर 851.90 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी ने 842.14 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि जुलाई-सितंबर की तिमाही में उसकी कुल आय 5.37 प्रतिशत बढ़कर 5,432.86 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 5,155.82 करोड़ रुपये रही थी। एशियन पेंट्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमित सिंगले ने कहा कि दूसरी तिमाही के दौरान कंपनी के सभी कारोबारी खंडों की मांग में सुधार देखा गया। उन्होंने कहा कि कंपनी के अंतरराष्ट्रीय कारोबार पोर्टफोलियो ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। पश्चिम एशिया, अफ्रीका और नेपाल को छोड़ अन्य एशियाई बाजारों की परिस्थितियां अनूकूल रहीं। कंपनी के निदेशक मंडल ने शेयरधारकों को 3.35 रुपये प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश के भुगतान की मंजूरी दी है।

बाजार में चार दिन से जारी तेजी पर लगा विराम, सेंसेक्स 149 अंक टूटा

मुंबई।

शेयर बाजारों में पिछले चार कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर बृहस्पतिवार को विराम लग गया। वैश्विक बाजारों से कमजोर रुख के बीच निवेशकों ने आईटी, बैंक और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में बिकवाली की जिससे शेयर बाजार नीचे आया। बीएसई का तीस कंपनियों के शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 148.82 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 40,558.49 पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 41.20 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 11,896.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में सर्वाधिक नुकसान में इंडसइंड बैंक रहा। इसमें 3.10 प्रतिशत की गिरावट आयी। जिन अन्य प्रमुख शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, नेस्ले इंडिया, टेक महिंद्रा और मारुति शामिल हैं। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में एनटीपीसी, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस और एक्सिस बैंक शामिल हैं।

इनमें 3.10 प्रतिशत तक की तेजी रही। वैश्विक स्तर पर ज्यादातर शेयर बाजारों में गिरावट का रुख रहा। इसका कारण कोविड-19 के बढ़ते मामले और अमेरिकी प्रोत्साहन को लेकर बातचीत लंबी खींचने से निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा। रिलायंस सिक्योरिटीज के संस्थागत कारोबार प्रमुख अर्जुन यश ने कहा, 'वैश्विक स्तर पर मिले-जुले रुख के बीच घरेलू शेयर बाजारों में लगातार चार दिन की तेजी के बाद गिरावट रही..ऐसी संभावना है कि बाजार इस स्तर पर खुद को सुदृढ़ करेगा। दूसरी तिमाही के परिणाम अब तक अच्छे रहे हैं। निवेशकों की नजर आने वाले दिनों में बड़ी कंपनियों के वित्तीय नतीजों और प्रबंधन की टिप्पणियों पर हो सकती हैं।' उन्होंने कहा इसके अलावा अमेरिका में राजकोषीय प्रोत्साहन पर प्रगति भी भारत समेत वैश्विक बाजारों के लिहाज से महत्वपूर्ण होगी। वैश्विक स्तर पर एशिया के अन्य बाजारों में चीन में शंघाई, जापान का तोक्यो और दक्षिण कोरिया का सोल नुकसान के साथ बंद हुए। वहीं, हांगकांग में तेजी रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरूआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 41.82 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। विदेशी विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 4 पैसे मजबूत होकर 73.54 पर बंद हुआ।

बजाज आटो का मुनाफा सितंबर तिमाही में 22 प्रतिशत गिरकर 1,193.97 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली, वाहन विनिर्माता कंपनी बजाज ऑटो का एकीकृत शुद्ध लाभ सितंबर तिमाही में 21.62 प्रतिशत गिरकर 1,193.97 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। कंपनी को साल भर पहले इसी तिमाही में 1,523.31 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। आलोच्य तिमाही के दौरान कंपनी का परिचालन से प्राप्त राजस्व साल भर पहले के 7,707.32 करोड़ रुपये से कम होकर 7,155.86 करोड़ रुपये रह गया। इस दौरान कंपनी की बिक्री भी साल भर पहले के 11,73,591 इकाइयों से 10 प्रतिशत कम होकर 10,53,337 इकाइयों पर आ गयी। हालांकि, इस दौरान घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री छह प्रतिशत बढ़कर 5,50,194 इकाइयों पर पहुंच गयी। बजाज आटो ने कहा कि दूसरी तिमाही में उद्योग में सात प्रतिशत की वृद्धि दर्ज गई और कंपनी की वृद्धि उद्योग के अनुरूप रही है। ''चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में हमारी बाजार हिस्सेदारी 18.2 प्रतिशत रही जो कि एक साल पहले पहली छमाही में 18.1 प्रतिशत रही थी।''

बेटी की शादी में मित्तल ने खर्च किए थे 500 करोड़, अब बने ब्रिटेन के सबसे बड़े कंगाल

लंदन।

दुनिया के सबसे अमीर आदमियों की सूचि में शामिल लक्ष्मी निवास मित्तल के छोटे भाई प्रमोद मित्तल ब्रिटेन के सबसे बड़े बैंकरप्ट (दिवालिया) व्यक्ति बन गए हैं। एक समय ऐसा था जब प्रमोद मित्तल ने अपनी बेटी की शादी में 500 करोड़ रुपए खर्च किए थे। वर्ष 2013 में डच मूल के इन्वेस्टमेंट बैंकर गुलराज बहल के साथ प्रमोद ने अपनी बेटी सृष्टि की शादी की थी। लेकिन आज के समय में वह करीब 2.5 अरब डॉलर (लगभग 24 हजार करोड़ रुपये) का कर्ज से जूझ रहे हैं और इसे चुकाने के लिए उनके पास फूटी कौड़ी भी नहीं है।

प्रमोद मित्तल के पास 1.5 करोड़ रुपये की संपत्ति

प्रमोद मित्तल ने कहा कि अब उनके पास सिर्फ 1,10,000 पाउंड यानी 1.5 करोड़ रुपये की संपत्ति है। उन्होंने बताया कि उनके पास 7000 पाउंड की ज्वैलरी, 66,669 पाउंड के शेयर और दिल्ली में 45 पाउंड की जमीन है। जबकि उन्हें अपने 94 वर्षीय पिता को 17 करोड़ पाउंड (करीब 16 अरब 27 करोड़ रुपये), अपनी पत्नी संगीता को 11 लाख पाउंड (करीब साढ़े 10 करोड़ रुपये), अपने 30 वर्षीय बेटे दिव्येश को 24 लाख पाउंड (करीब 23 करोड़ रुपये) और अपने 45 वर्षीय बहनोई अमित लोहिया को 11 लाख पाउंड (करीब साढ़े 10 करोड़ रुपये) लौटाने हैं। इससे अलावा कंपनियों का उन पर अरबों रुपए का बकाया है।

14 साल पहले का फैसला बना सिरदर्द

करीब 14 साल पहले प्रमोद मित्तल ने बोस्नियाई कोक निर्माता कंपनी के लोन का गारंटर बनने पर सहमति जताई थी। इसके बाद से ही प्रमोद मित्तल को लगातार नुकसान ही झेलना पड़ा है। खबरों की मानें तो जीआईकेआईएल के लिए उनकी कंपनी ग्लोबल स्टील होल्डिंग्स गारंटर बनी और बाद में यह कंपनी दिवालिया हो गई। मूरगेट इंडस्ट्रीज से लिया गया लोन अभी तक लौटा नही पाई है। तय डेडलाइन पर जब प्रमोद मित्तल मूरगेट इंडस्ट्रीज का पैसा नहीं लौटा सके तब उनकी कंपनी के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू की गई।

कोर्ट ने मूरगेट इंडस् ट्रीज के पक्ष में सुनाया फैसला

प्रमोद मित्तल पर कर्ज तब और बढ़ गया जब 2017 में आर्बिटरेशन कोर्ट ने एक अन्य बोस्नियाई दिवालिया कंपनी के मामले में फैसला मूरगेट इंडस् ट्रीज के पक्ष में सुनाया। प्रमोद मित्तल ही इस कंपनी के भी लोन गारंटर थे और उसका कर्ज भी इनके माथे ही आया। इसके बाद मूरगेट इंडस् ट्रीज कोर्ट चली गई और जून 2020 में कोर्ट ने प्रमोद मित्तल के खिलाफ दिवालिया आदेश दिया। कोर्ट ने प्रमोद मित्तल को 139,786,656 पाउंड यानी करीब 14,000 करोड़ रुपए के अलावा 10,000 करोड़ रुपए का ब्याज नहीं चुकाने पर दिवालिया आदेश सुनाया। अब प्रमोद मित तल कह रहे हैं कि लेनदारों को उनके द्वारा दिए गए हर पाउंड के लिए 0.18 पेंस वापस लेकर एक समझौते पर सहमत हो जाना चाहिए।

बड़े भाई ने किया किनारा

प्रमोद मित्तल के बड़े भाई लक्ष्मी मित्तल उनकी मदद नहीं कर रहे हैं। इससे पहले जब धोखाधड़ी के एक मामले में फंसने के बाद मित्तल अपना कर्ज चुकाने में नाकाम रहे थे तो उस दौरान लक्ष्मी मित्तल ने दो बार जमानत की राशि भरकर प्रमोद मित्तल को बचाया था। उन पर 84 करोड़ रुपए के संदिग्ध निकासी का आरोप था। इस केस में प्रमोद को 92 करोड़ रुपए की जमानत राशि पर रिहा किया गया था।

यात्री लगेज को लेकर ना हों परेशान, अब रेलवे घर तक पहुंचाएगा सामान

नई दिल्ली।

भारतीय रेल पहली बार एक ऐसी सेवा की शुरूआत करने जा रही है जिसके तहत आपके स्टेशन पर खाली हाथ आने पर भी रेलवे आपका सामान घर से लाकर ट्रेन तक पहुंचाएगी।भारतीय रेलवे एप आधारित बैग्स ऑन व्हील्स सेवा की शुरुआत करने जा रही है। उत्तर और उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक राजीव चौधरी ने कहा कि रेलवे लगातार नए उपायों से राजस्व को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। भारत रेल पर रेलयात्रियों के लिए यह अपनी तरह की पहली सेवा है।

आपके पहले पहुंचेगा सामान

इस सेवा की सबसे बड़ी खूबी यह है कि सामान की डिलीवरी रेलगाड़ी के प्रस्थान से पहले सुनिश्चित की जाएगी। इसके बाद यात्री कोच तक सामान लाने/ले जाने की परेशानी से मुक्त हो जाएंगे। शुरूआती दौर में यह सेवा नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, हजरत निजामुद्दीन, दिल्ली छावनी, दिल्ली सराय रौहिल्ला, गाजियाबाद और गुरुग्राम रेलवे स्टेशनों से चढ़ने वाले रेलयात्रियों के लिए उपलब्ध होगी।

डोर-टू-डोर सेवा होगी उपलब्ध

BOW (Bags on Wheels) ऐप (एंड्रॉयड और आईफोन उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध होगा) के द्वारा रेलयात्री अपने सामान को अपने घर से रेलवे स्टेशन तक लाने अथवा रेलवे स्टेशन से घर तक पहुंचाने के लिए आवेदन करेंगे। रेलयात्री के बुकिंग विवरण के अनुसार इस काम के लिए चुने गए ठेकेदार सुरक्षित तरीके से सामानों को पहुंचाने का काम करेंगे यह सुविधा यात्रियों को नामात्र शुल्क पर डोर-टू-डोर सेवा फर्म द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। यात्री के घर से उसका सामान रेलगाड़ी में उसके कोच तक अथवा उसके कोच से उसके घर तक सुगमता से पहुंचाया जाएगा। रेलवे की यह सेवा विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग जनों और अकेले यात्रा कर रही महिला यात्रियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

बैग्स ऑन व्हील्स सेवा का लें आनंद

इस सेवा से न केवल यात्री लाभान्वित होंगे बल्कि अनुमान है कि इस सेवा से रेलवे को 50 लाख रुपये गैर किराया राजस्व की प्राप्ति के साथ साथ 1साल के लिए 10 फीसदी की हिस्सेदारी भी हासिल होगी। अभी तक यात्रियों ने पैलेस ऑन व्हील्स सेवा का आनंद उठाया है, अब वे बैग्स ऑन व्हील्स सेवा का भी आनन्द ले सकेंगे।

एसबीआई कार्ड का मुनाफा दूसरी तिमाही में 46 प्रतिशत घटा

नयी दिल्ली

एसबीआई कार्ड का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 46 प्रतिशत घटकर 206 करोड़ रुपये रह गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 381 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि समीक्षावधि में उसकी कुल आय छह प्रतिशत बढ़कर 2,513 करोड़ रुपये रही। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 2,376 करोड़ रुपये थी। एसबीआई कार्ड्र्सका प्रवर्तक देश का सबसे बड़ा बैंक भारतीय स्टेट बैंक है। कंपनी ने कहा कि समीक्षावधि में उसके सक्रिय कार्ड की संख्या 16 प्रतिशत बढ़कर 1.10 करोड़ हो गयी। पिछले साल इसी अवधि में यह 95 लाख थी। इन कार्ड के जरिये कुल 29,590 करोड़ रुपये का व्यय हुआ जोकि पिछले साल की इसी तिमाही के 33,176 करोड़ रुपये से 10.8 प्रतिशत कम है। कंपनी की ब्याज से आय इस दौरान 9.7 प्रतिशत बढ़कर 1,275 करोड़ रुपये रही। पिछले साल इस दौरान कार्ड्स की ब्याज आय 1,162 करोड़ रुपये थी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि 30 सितंबर 2020 को उसकी सकल गैर-निष्पादित संपत्ति 4.29 प्रतिशत रही जो कि एक साल पहले इसी अवधि में 2.33 प्रतिशत रही थी। इस दौरान कंपनी का सकल अग्रिम (रिण और प्राप्य) सितंबर 2020 तक मामूली बढ़कर 23,978 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले इसी अवधि में यह 23,038 करोड़ रुपये पर था।

तेल, गैस क्षेत्र के लिये पाचवें चरण की बोली में ओएनजीसी सात, ओआईएल चार ब्लॉक हासिल करने में सफल

नयी दिल्ली.

सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) बोली के लिये पेश किये गये नवीनतम दौर में 11 तेल एवं गैस खोज ब्लॉक में से सात हासिल करने में सफल रही है। उत्पादन नियामक हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) ने बृहस्तिवार को यह कहा। शेष चार ब्लॉक ऑयल इंडिया लि. ने हासिल किये। सरकार ने खुला क्षेत्र लाइसेंस नीति (ओएलएपी) के तहत पाचवें चरण की बोली में खोज एवं उत्पादन को लेकर 11 ब्लॉक की पेशकश की थी। कुल 12 बोलियां प्राप्त हुईं। कुल 11 ब्लॉक के लिये सात बोलियां ओएनजीसी तथा चार ऑयल इंडिया लि. (ओआईएल) की आयीं। बोली प्रक्रिया 30 जून को समाप्त हुई। इनवेनाइर पेट्रोडाइन एकमात्र निजी कंपनी थी जिसने एक ब्लॉक के लिये बोली लगायी थी। ओएनजीसी छह ब्लॉक के लिये एकमात्र बोलीदाता थी जबकि ओआईएल चार ब्लॉक के लिये अकेले बोली लगाने वाली कंपनी थी। ओएनजीसी को सभी छह ब्लॉक मिले। इसके अलावा उसे वह ब्लॉक भी मिला जिसके लिये इनवेनाइर ने बोली लगायी थी। इससे पहले, ओएएलपी-चौथे चरण की बोली में भी सात ब्लाक के लिये केवल आठ बोलियां आयी थी। ओएनजीसी पेशकश किये गये सभी सात तेल और गैस ब्लॉक हासिल की थी। डीजीएच के अनुसार बोली के ताजा चरण में करीब 19,800 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र की पेशकश की गयी थी। ओएएलपी-5 के तहत 11 ब्लॉक आठ अवसादी बेसिन में फैले हैं। इसमें आठ भूमि पर स्थित ब्लॉक है। दो छिछले जल क्षेत्र में और एक गहरे जल क्षेत्र में है। ओएएलपी के पहले चार चरणों में 94 ब्लॉक आबंटित किये जा चुके हैं। इसमें वेदांता ने सर्वाधिक 51 ब्लॉक हासिल किये। वहीं, ऑयल इंडिया ने 21 और ओएनजीसी ने 17 ब्लॉक हासिल किये। ओएएलपी-5 के बाद ओएनजीसी के ब्लॉक की संख्या 24 और ओआईएल की 25 हो गयी है।

औद्योगिक कर्मचारियों के लिए आधार वर्ष 2016 के साथ खुदरा मुद्रास्फीति की नयी श्रृंखला जारी

नयी दिल्ली,

श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने बृहस्पतिवार को औद्योगिक कर्मचारियों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति की नई श्रृंखला (सीपीआई-आईडब्ल्यू) जारी की। इसमें आधार वर्ष को संशोधित कर 2016 किया गया है। पहले यह 2001 था। उपभोक्ता मूल्य सूकांकाक- औद्योगिक कर्मचारी (सीपीआई-आईडब्ल्यू) एकल अत्यंत महत्वपूर्ण मूल्य सांख्यिकी है, जिसका वित्तीय प्रभाव होता है।

सीपीआई- आईडब्ल्यू का इस्तेमाल मुख्य रूप से सरकारी कर्मचारियों और औद्योगिक क्षेत्र के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) के नियमन के लिए किया जाता है। इसके अलावा इसका इस्तेमाल अनुसूचित कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन तय करने और उसमें संशोधन करने तथा खुदरा मूल्यों की गणना के लिए होता है। गंगवार ने बयान में कहा कि भविष्य में आधार संशोधन प्रत्येक पांच साल में किया जाएगा। मंत्रालय ने बयान में कहा, ''श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संतोष कुमार गंगवार ने आधार वर्ष 2016 के साथ औद्योगिक कर्मचारियों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की नई

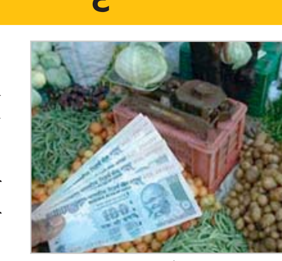

श्रृंखला जारी की है।'' नई श्रृंखला वाली सीपीआई (आईडब्ल्यू) में आधार वर्ष 2016 होगा। यह मौजूदा 2001 श्रृंखला का स्थान लेगी। इससे पहले श्रृंखला को संशोधित कर 1944 से 1949, 1949 से 1960, 1960 से 1982 और 1982 से 2001 किया गया था। श्रम मंत्री ने श्रम ब्यूरो के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि उसके प्रयासों से हम अंततः नई श्रृंखला पेश कर रहे हैं।

गंगवार ने कहा कि नीति निर्माण के लिए श्रम से जुड़े सभी पहलुओं के आंकड़े जरूरी होते है। ऐसे में श्रम ब्यूरो जैसे संगठनों का अपना महत्व है।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ), सूचकांक समीक्षा समिति (आईआरसी) और राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग की सिफारिशों के अनुसार मूल्य सूचकांक के आधार वर्ष में नियमित आधार पर संशोधन होना चाहिए। यह संशोधन प्रत्येक 10 साल से पहले होना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राशिद ने एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ अपने करार को आगे बढ़ाया

एडिलेड । अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान बिग बैश लीग (बीबीएल) के आगामी 10वें सीजन में फिर से एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए खेलते नजर आएंगे। राशिद ने कहा, मुझे इस बात की खुशी है कि मैं बीबीएल के 10वें सीजन में भी स्ट्राइकर्स से खेल सकूंगा। मुझे शुरुआत से ही यह टूर्नामेंट काफी पसंद है। उन्होंने कहा, स्ट्राइकर्स मेरे लिए एक परिवार की तरह रहा है। मैं उन प्रशंसकों का बहुत शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने मेरा समर्थन किया है और एडिलेड को घर जैसा महसूस कराया। राशिद एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 40 मैचों में अब तक 56 विकेट लिए हैं। एडिलेड स्ट्राइकर्स के मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी ने चौथे सीजन के लिए राशिद की वापसी पर खुशी जताई है। गिलेस्पी ने कहा, राशिद ने एडिलेड स्ट्राइकर्स से जुड़ने के बाद से ही शानदार प्रदर्शन किया है। हम उनकी विश्वस्तरीय गेंदबाजी से काफी रोमांचित हैं। वह अपनी बल्लेबाजी से प्रशंसकों का मनोरंजन करना जारी रखेंगे।

आईपीएल-13

चेन्नई के लिए हर मैच अहम, मुंबई चाहेगी हिसाब बराबर करना

शारजाह।

तीन बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 13वां सीजन अब तक का सबसे बुरा सीजन साबित हुआ है। स्थिति यह है कि टीम प्लेऑफ की रेस से लगभग बाहर है। किस्मत के भरोसे वह दाव खेल सकती है, लेकिन इसके लिए उसे अपने बाकी बचे चारों मैच जीतने होंगे। चेन्नई को शुक्रवार को शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में बेहतरीन फॉर्म में चल रही मुंबई इंडियंस के खिलाफ उतरेगी। पिछले मैच में चेन्नई का जो प्रदर्शन रहा था वो बेहद निराशाजनक रहा। राजस्थान रॉयल्स ने उसे 125 रनों पर ही रोक दिया था और पांच विकेट से मैच अपने नाम कर लिया था। बल्लेबाजी इस सीजन चेन्नई की सबसे बड़ी समस्या रही है। कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने लगातार इस बात को माना है कि उनकी बल्लेबाजी इस सीजन उनकी कमजोरी रही है और फील्डिंग भी। फाफ डु प्लेसिस इकलौते ऐसे बल्लेबाज हैं जो रन बना रहे हैं और वह इस सीजन टीम के सर्वोच्च स्कोरर भी हैं। लेकिन उनके अलावा और बल्लेबाज कुछ नहीं कर पाए हैं। शेन वाटसन ने कुछ मैचों में जरूर अच्छी बल्लेबाजी की थी लेकिन उनके प्रदर्शन में वो निरंतरता नहीं दिखा पाए हैं। महेंद्र सिंह धोनी, रवींद्र जडेजा और अंबाती रायडू भी कुछ मैचों को छोड़कर विफल ही रहे हैं। ड्वेन ब्रावो चोट के कारण आईपीएल से बाहर हो गए हैं। उनके स्थान पर धोनी किसे लेकर आते हैं यह देखना होगा। पिछले मैच में तो धोनी ने उनकी भरपाई के लिए जोश हेजलवुड को खेलाया था। अगर इस मैच में भी हेजलवुड खेलेंगे तो गेंदबाजी को मजबूती मिलेगी और मुंबई इंडियंस के मजबूत बल्लेबाजी क्रम के सामने वह एक अच्छा विकल्प साबित हो सकते हैं। मुंबई की टीम संतुलित है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों फॉर्म में हैं। रोहित शर्मा, क्विंटन डी कॉक, सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन जैसे अनुभवी और युवा बल्लेबाजों से सजा ऊपरी और मध्यक्रम टीम को मजबूती दे रहा है तो निचले क्रम में केरन पोलार्ड, हार्दिक पांड्या और क्रुणाल पांड्या जैसे तूफानी बल्लेबाज मौजूद हैं। मुंबई को पिछले मैच में हार मिली थी। उसने किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ दो सुपर ओवर खेले थे, लेकिन अंत मे हार गई । टीम की गेंदबाजी में भी जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, नाथन कुल्टर नाइल जैसे नाम हैं जो चेन्नई की कमजोर बल्लेबाजी को जल्दी समेटने का दम रखते हैं। दोनों टीमों के बीच हुए पिछले मैच में चेन्नई को जीत मिली थी। वह सीजन का पहला मैच था, लेकिन उस मैच के बाद से चेन्नई और मुंबई दोनों की स्थिति बदली हैं। एक ने फर्श से अर्श तक का सफर तय किया है तो दूसरे ने राजा से रंक का। प्लेऑफ में जाने की हल्की सी संभावना को जिंदा रखने के लिए भी चेन्नई को यह मैच जीतना जरूरी होगा। अब देखना होगा कि चेन्नई किस तरह से इस करो या मोर वाली स्थिति का सामना करती है।

भारत-आस्ट्रेलिया सीरीज की मेजबानी करेगी सिडनी, कैनबरा

मेलबर्न।

भारत का अगले महीने से आस्ट्रेलिया दौरे पर होने वाली आगामी सीमित ओवरों की सीरीज के मैच सिडनी और कैनबरा में खेले जाएंगे। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) और न्यू साउथ वेल्स राज्य सरकार के बीच गुरुवार को एक समझौता हुआ है। इस समझौते के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में जारी आईपीएल से लौटने के बाद भारतीय टीम और आस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी सिडनी में क्वारंटाइन रहेंगे और इस दौरान वहां उन्हें अभ्यास की अनुमति भी दी जाएगी। आईपीएल-13 का फाइनल 10 नवंबर को खेला जाएगा। हालांकि अभी इसके आयोजन स्थल की घोषणा नहीं की गई है। गुरुवार को एनएसडब्ल्यू सरकार की ओर से मिली मंजूरी के बाद क्वारंटाइन प्रोटोकॉल की पुष्टि होने के बाद अभी भी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है। भारत का आस्ट्रेलिया दौरे पर होने वाले मैचों के अस्थाई कार्यक्रम के अनुसार, पहले दो वनडे 27 और 29 नवंबर को जबकि तीसरा वनडे एक दिसंबर को सिडनी में खेला जाएगा। वहीं, पहला टी20 कैनबरा में चार दिसंबर को खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमें छह और आठ दिसंबर को होने वाले अंतिम दो टी20 मैचों के लिए सिडनी लौट आएगी। सीमित ओवरों की सीरीज के बाद दोनों टीमें 17 से 21 दिसंबर तक एडिलेड में पहला टेस्ट मैच खेलेगी।

कोविड-19 के कारण विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप स्थगित

कुआलालम्पुर । कोविड-19 के कारण न्यूजीलैंड में होने वाली विश्व बैडमिंटन जूनियर चैंपियनशिप2020 को रद्द कर दिया गया है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। बीडब्ल्यूएफ ने एक बयान में कहा कि कोविड-19 प्रतिबंधों के जारी रहने और अनिश्चितताओं के कारण बीडब्ल्यूएफ, बैडमिंटन न्यूजीलैंड और टूर्नामेंट के आयोजकों के पास इसे रद्द करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं था। बीडब्ल्यूएफ के महासचिव थॉमस लुंड ने कहा, हम निश्चित रूप से बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप के 2020 संस्करण को पूरा करने में सक्षम नहीं होने के कारण निराश हैं, लेकिन कोविड-19 के कारण आयोजन स्थल पर प्रतिबंध, इस टूर्नामेंट को आयोजित करने के लिए असंभव बनाता है। इसलिए मौजूदा कार्यक्रम के अनुसार, जनवरी 2021 में न्यूजीलैंड में इसका आयोजन किया जाएगा। बीडब्ल्यूएफ ने आगे कहा कि बैडमिंटन न्यूजीलैंड अभी भी विश्व जूनियर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए प्रतिबद्ध है और बीडब्ल्यूएफ ने 2024 संस्करण के लिए उनके प्रस्ताव को स्वीकार किया है। बैडमिंटन न्यूजीलैंड के मुख्य कार्यकारी जो हिचकॉक ने कहा, हालांकि हम इस खबर से काफी निराश हैं, लेकिन मौजूदा स्थिति के कारण यह सही निर्णय है।

एमएमए में विश्व खिताब जीतने का सपना ज्यादा दूर नहीं : रितु फोगाट

नई दिल्ली।

भारत की स्टार एथलीट और वन चैंपियनशिप की फाइटर रितु फोगाट 30 अक्टूबर को सिंगापुर में होने वाले अपने अगले मुकाबले में एक और जीत दर्ज करने उतरेंगी। 25 साल की रितु ने बीते साल वन चैम्पियनशिप में कदम रखा था और यहां वह शानदार चमक दिखाते हुए लगातार दो जीत हासिल कर चुकी हैं और अपने अगले मुकाबले में उन्हें कंबोडिया की नोउ श्रे पोव से भिड़ना है। रितु ने इस साल फरवरी में एमएमए की अपनी दूसरा फाइट में अनुभवी प्रतिद्वंद्वी चीन की वू चियाओ चेन को हराया था। रितु ने कोरोना महामारी का अपने ऊपर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर कहा, हां, इससे मेरी ट्रेनिंग प्रभावित हुई है, विशेष रूप से क्योंकि मेरे लिए एमएमए एक नया खेल है। इसलिए यह एक चुनौतीपूर्ण दौर रहा है। मैं भी एक नए देश-सिंगापुर में रह रही हूं। इसलिए यह निश्चित रूप से कठिन है क्योंकि खेल नया है और देश नया है। इसके अलावा, मुझे सलाह देने के लिए मेरी बहन या मेरे पिता यहां नहीं हैं।

दिग्गज कुश्ती कोच महावीर सिंह फोगाट की बेटी रितु भारत की पहली मिक्स्ड मार्शल आर्ट विश्व चैम्पियन बनना चाहती हैं और अपने इस सपने को सच करने के लिए वह दिन-रात मेहनत कर रही हैं। उन्होंने कहा, मेरी प्रेरणा हमेशा मेरे पिता और उनके शब्द रहे हैं। उन्होंने हमेशा मुझसे कहा है कि कुछ जीतने के लिए आपको बलिदान देना होगा। मेरा मुख्य लक्ष्य मेरे परिवार और मेरे देश को गौरवान्वित करना है। मैं यहां हूं और मैंने अपने देश को पीछे छोड़ा है, अपनी बहनों को पीछे छोड़ दिया है। इसलिए, मेरा एकमात्र ध्यान सबसे अच्छा करने पर है और यही मेरी प्रेरणा है। रितु ने अपनी प्रतिद्वंद्वी नोउ श्रे पोव के खिलाफ होने वाले मुकाबले में अपनी रणनीति को लेकर कहा, वह एक अनुभवी एमएमए चैंपियन है और यह हम दोनों के बीच एक कठिन और रोमांचक मुकाबला होगा। मैं इसके लिए तैयार हूं और इसके लिए मैंने बहुत मेहनत की है। मैं इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हूं। जहां तक रणनीतियों का सवाल है तो मैं चाहती हूं कि आप में से हर कोई एक कुछ ऐसी रणनीतियां देखें जिन्हें मैं प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ बनाती हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं एमएमए में विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीतने के सपने को पूरा करने से ज्यादा दूर नहीं हूं, क्योंकि इसके लिए मैं लंबे समय से कड़ी मेहनत कर रही हूं। वन चैम्पियनशिप ने अगले साल एक ग्रैंड प्री टूर्नामेंट की भी घोषणा की है, जिसमें आठ चैंपियन होंगे।

संक्षिप्त समाचार

विक्टर एमपितसेंग बने सीएसए के चयनकर्ता संयोजक

जोहान्सबर्ग। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने पूर्व तेज गेंदबाज विक्टर एमपितसेंग को नया चयनकर्ता संयोजक नियुक्त किया है। सीएसए ने एक बयान में बताया कि विक्टर दो नवंबर से अपना कार्यभार संभालेंगे। 40 वर्षीय विक्टर ने 2012 में क्रिकेट से संन्यास लेने से पहले तक दो वनडे, 103 प्रथम श्रेणी, 100 लिस्ट-ए और 23 टी20 मैच खेले हैं। एमपितसेंग ने कहा, मैं वास्तव में इस अगले अध्याय की प्रतीक्षा कर रहा हूं। दक्षिण अफ्रीकी टीम क्रिकेट इको-सिस्टम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और ऐसे क्षेत्र हैं और ऐसे क्षेत्र में हमें तत्काल ध्यान देने की जरूरत है।

हमने ऐसी सीजन की उम्मीद नहीं की थी : ब्रावो

दुबई। तीन बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल के मौजूदा 13वें सीजन में खराब दौर से गुजर रही है और टीम के हरफनमनौला खिलाड़ी ड्वायन ब्रावो ने फैन्स से टीम को सपोर्ट करते रहने की अपील की है। ब्रावो ग्रोइन इंजुरी के कारण आईपीएल के मौजूदा सीजन से बाहर हो चुके हैं। सीएसके का इस सीजन में प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। इस टीम ने 10 मैचों से सिर्फ छह अंक जुटाए हैं और अभी आठ टीमों की तालिका में सबसे नीचे है। शारजाह में शुक्रवार को सीएसके का सामना मुंबई इंडियंस से होना है। ब्रावा ने चेन्नई सुपर किंग्स के वीडियो में कहा, यह दुखद खबर है, सीएसके टीम को छोड़ना दुखद है। हमारे सभी सच्चे सीएसके प्रशंसकों से मैं चाहता हूं कि आप सभी टीम को प्रोत्साहित करते रहें, समर्थन करते रहें। उन्होंने कहा, यह ऐसा सीजन नहीं था जिसकी हमें उम्मीद थी या हमारे प्रशंसक चाहते थे, लेकिन हमने इसे अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। कभी-कभी हमारा सबसे अच्छा प्रदर्शन भी परिणाम नहीं दिखाते हैं। हमारा समर्थन करते रहें और मैं आपको गारंटी दे सकता हूं कि हम चैंपियन की तरह मजबूत और बेहतरीन वापसी करेंगे। सीएसके के सदस्य और प्रशंसक होने पर मुझे गर्व होना चाहिए। सीएसके के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कासी विश्वनाथन ने बताया कि ब्रावो को राइट ग्रोइन में ग्रेड-1 टियर है और वह गुरुवार को अपने देश लौट जाएंगे। 37 साल के ब्रावो को दिल्ली कैपिटल्स के साथ 17 अक्टूबर को हुए मैच के दौरान चोट लगी थी। इस चोट के कारण वह सीएसके के लिए अगले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ नहीं खेल सके थे। सीएसके वह मैच सात विकेट से हार गई थी। इस सीजन में ब्रावो ने सीएसके के लिए सिर्फ छह मैच खेले और सात रन बनाने के अलावा छह विकेट हासिल किए।

बल्लेबाजी में विफलता के कारण पिछड़ रही केकेआर

अबू धाबी।

दो बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) आईपीएल के मौजूदा 13वें सीजन में अंकतालिका में अब तक एक बार भी शीर्ष-दो में नहीं पहुंच पाई है और इसका सबसे बड़ा कारण उसके बल्लेबाजों की विफलता है। केकेआर की टीम अंकतालिका में अभी भी चौथे नंबर पर है और बुधवार रात ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ खेले गए मुकाबले में टीम निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 84 रन ही बना सकी थी तथा उसे आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। केकेआर की टीम अपने बल्लेबाजों के विफलता के कारण पिछले चार मैचों में केवल एक बार ही 150 रन के आंकड़े को पार कर सकी है। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल पर टीम बहुत निर्भर है, लेकिन वह अब तक 10 मैचों में केवल दो ही अर्धशतक लगा पाए हैं। पिछले कुछ मैचों से उनका स्ट्राइक रेट भी 100 से कम रहा है, जिसके कारण उन्हें अपनी विकेट गंवानी पड़ रही है। कप्तान इयोन मोर्गन ने पिछले 10 मैचों में 40 की औसत से केवल एक ही अर्धशतक बनाया है। दिनेश कार्तिक का औसत 16 से ऊपर है और उन्होंने 10 मैचों में अब तक 145 रन ही बनाए हैं। सबसे बुरा हाल तो आलराउंडर आंद्रे रसेल का रहा है, जो पिछले साल मैन ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। उन्होंने पिछले 510 रन बनाए थे और सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में टॉप पांच में शामिल थे। लेकिन केवल 11.5 का औसत है। कोलकाता नाइट राइडर्स के कोच ब्रैंडन मैकुलम ने बेंगलोर के खिलाफ मैच के बाद माना कि बल्लेबाली उम्मीदों के अनुरूप नहीं रही है। मैकुलम ने कहा, मुझे लगता है कि वह (मोहम्मद सिराज) तेज गेंदबाजी करने में सक्षम थे और हमसे कुछ सवाल पूछ रहे थे।

ये ऐसे सवाल थे, जिनका कि अतीत में हमने बेहतर तरीके से जवाब दिया है। उन्होंने कहा, मैच से पहले हमने शीर्षक्रम से बेहतरीन प्रदर्शन दिखाने की इच्छा के बारे में बात की थी और हमारे पास इच्छा की कमी थी। यह कुछ ऐसा है, जिस्का हम हल करने की कोशिश कर रहे हैं। आपको अपने आप को खेल में लाने के लिए रचनात्मक होना होगा। आप 40 रन पर छह विकेट खोकर ज्यादा मैच नहीं जीत सकते।

यूएई की पिचें धमी, लेकिन तेज गेंदबाजों की मददगार : रबादा

नई दिल्ली।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हर दिन के साथ पिचें धीमी होती जा रही हैं, लेकिन ऐसे में आईपीएल-13 में अभी तक सबसे सफल गेंदबाज एक तेज गेंदबाज का होना हैरान करता है। दिल्ली कैपिटल्स के कागिसो रबादा इस सीजन अभी तक सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में पहले स्थान पर हैं। रबादा का कहना है कि यूएई की पिचें स्विंग कर रही हैं, जिससे तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही है। लीग में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की सूची में रबादा, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, जोफ्रा आर्चर, एनरिख नॉर्टजे और ट्रेंट बाउल्ट जैसे तेज गेंदबाज हैं। स्पिनरों में से सिर्फ युजवेंद्र चहल, राशिद खान और राहुल चहर का नाम है। रबादा ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में कहा, यहां की स्थितियां मुश्किल रही हैं। यह थोड़ी अलग हैं। कई बार सीम मूवमेंट मिलता है। अबू धाबी में गेंद सीम कर रही है। सभी विकेट भारत की तरह यहां भी धीमी हैं, लेकिन यह अलग तरह की धीमी हैं। मुझे लगता है कि यहां कई बार सीम मूवमेंट मिलता है। रबादा ने अभी तक 10 मैचों में 21 विकेट लिए हैं और वह दूसरे स्थान पर रहने वाले मोहम्मद शमी से पांच विकेट आगे हैं।

आईएसएल-13: मुंबई सिटी से जुड़े मिडफील्ड एहमद जाहउह

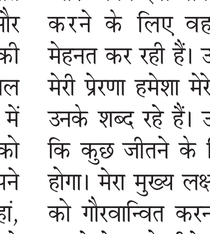

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने गुरुवार को एहमद जाहोउह के साथ दो साल का करार किया। वह इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के आने वाले सीजन से टीम के साथ जुड़ेंगे। मोरक्को के अल आरउई के रहने वाले 32 साल के इस खिलाड़ी अपने करियर की शुरुआत इतिहाद खेमीस्सेट से की थी। एहमद ने एक बयान में कहा, मैंने तीन साल भारत में बिताए हैं और मुझे विश्वास है कि मेरे पास हासिल करने को काफी कुछ है। मैंने जब मुंबई सिटी के मैनेजमेंट से उनके विजन और लक्ष्यों के बारे में बात की थी तो मैं इस बात को लेकर आश्वस्त था कि यह क्लब वही है जो जहां मैं जाना चाहता था और एक बार फिर कोच सर्जियो लोबेरा के साथ काम करने का मौका मिलेगा। एहमद पहले भी लोबेरा के साथ काम कर चुके हैं। एहमद 2017 में लोबरे के साथ एफसी गोवा में थे। वह लोबेरा का टीम का अहम हिस्सा थे। मुंबई सिटी के मुख्य कोच ने कहा, वह शानदार खिलाड़ी हैं। मैंने उनके साथ पहले भी काम किया है, इसलिए जानता हूं कि वह अंतर पैदा कर सकते हैं। उनके पास हमारी मदद करने का अनुभव है।

आईपीएल-2020 के महंगे खिलाड़ियों की कहानी

नई दिल्ली।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में जिन खिलाड़ियों पर बड़े दांव लगते हैं, उन्होंने बताया कि उनका बीता सीजन कैसा रहा है और वह टीम में क्या लेकर आ सकते हैं। जो खिलाड़ी ऊंची रकम हासिल करने के कारण सुर्खियां बटोरते हैं आने वाले सीजन में उन पर सभी की नजरें होती हैं। खिलाड़ी को जो रकम मिली है वह हालांकि यह नहीं बता सकता कि खिलाड़ी टूर्नामेंट शुरू होने के बाद कैसा प्रदर्शन करेगा और दो बार की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस सीजन इसका अनुभव किया है। कोलकाता ने आस्ट्रेलिया के पैट कमिंस को 15.5 करोड़ रुपये की रकम देकर अपने नाम किया था। इसी के साथ वह आईपीएल में सबसे महंगे खिलाड़ी भी बन गए थे। 2019 से लगातार टेस्ट का नंबर-1 गेंदबाज हालांकि आईपीएल के 13वें सीजन में कोलकाता के लिए अभी तक वो कमाल नहीं दिखा पाया है, जिसकी उम्मीद उससे थी। कमिंस ने अभी तक खेले 10 मैचों में सिर्फ तीन विकेट लिए हैं। उम्मीद है से उलट उनका सबसे अच्छा योगदान बल्ले से आया है। उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 53 रन बनाए थे और टीम को सम्मानजनक स्कोर दिया था। कमिंस के हमवतन ग्लैन मैक्सवेल भी किंग्स इलेवन पंजाब से मिली राशि को सही नहीं ठहरा पाए हैं। पंजाब ने मैक्सवेल के लिए 10.75 करोड़ रुपये दिए थे, लेकिन में अभी तक मैक्सवेल से तूफानी पारी, पहले अर्धशतक का इंतजार है। टीम ने हालांकि मैक्सेवल को लगातार मौका दिया है टीम के कप्तान लोकेश राहुल ने कहा था, ग्लैन नेट्स में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। हम जानते हैं कि मैक्सवेल क्या कर सकते हैं। वह टीम में अच्छा संतुलन लेकर आते हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने दक्षिण अफ्रीका के क्रिस मौरिस पर जो 10 करोड़ रुपये खत्म किए थे वो हालांकि अभी तक वसूल होते दिख रहे हैं। शुरुआती कुछ मैचों में मौरिस हालांकि खेल नहीं पाए थे। 10 अक्टूबर को वह चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले थे, यह उनका पहला मैच था। उन्होंने राजस्थान के खिलाफ चार विकेट लिए थे और चार ओवरों में सिर्फ 16 रन दिए थे। तब से मौरिस टीम की बल्लेबाजी में निचले क्रम में और गेंदबाजी में बेहतरीन योगदान देते आ रहे हैं। वेस्टइंडीज के शिमरन हेटमायर ने शुरुआती दो मैचों में दिल्ली कैपिटल्स के शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी की थी, लेकिन विफल रहे थे और टीम ने उन्हें निचले क्रम में भेजा और वह सफल रहे। मुख्यत~ हेटमायेर नंबर पांच और छह पर खेल रहे हैं और टीम को यहां जिस तरह की बल्लेबाजी की जरूरत थी वह हेटमायेर कर रहे हैं।

ओलंपिक के लिए टीम अच्छी स्थिति में : कोथाजीत

बेंगलुरू। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के डिफेंडर कोथाजीत सिंह का मानना है कि कोविड-19 महामारी के बीच अगस्त में खेल गतिविधियों को फिर से शुरू करने के बाद से टोक्यो ओलंपिक के लिए टीम अच्छी स्थिति में है। भारत के लिए 200 से अधिक मैच खेल चुके कोथाजीत ने आगे कहा कि भारतीय टीम सही समय पर मैदान पर लौटी है और प्रत्येक खेल गतिविधियों के सत्र के साथ आगे बढ़ रही है। कोथाजीत ने कहा, पिच पर वापस आना शानदार रहा। हमने पिछले दो महीनों में काफी सुधार देखा है और हम ओलंपिक के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हम सही समय पर पिच पर लौटे हैं और इसलिए पूरी तरह से अपने फॉर्म में लौटने के लिए हमारे पास पर्याप्त समय है। हम वास्तव में हॉकी इंडिया और साई का शुक्रगुजार हैं जिन्होंने त्वरित समय में सभी सुरक्षा उपाय किए ताकि हम ओलंपिक पर ध्यान केंद्रित कर सकें। ओलंपिक क्वालीफायर मैच से बाहर रहने के बाद प्रो लीग 2020 से राष्ट्रीय टीम में वापसी करने वाले डिफेंडर ने कहा कि वह उन पहलुओं को जानते हैं, जिन पर उन्हें लगातार काम करने की जरुरत है ताकि भारतीय टीम में जगह बनाई जा सके । उन्होंने कहा, टीम से बाहर होना कभी भी आसान नहीं होता है और इसलिए मैं भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की करने के लिए जितना संभव हो उतना कठिन काम करने के लिए दृढ़ हूं। मैंने लॉकडाउन के दौरान अपने खेल का अच्छी तरह से विश्लेषण किया और मुझे अपने खेल के पहलुओं के बारे में पता है कि मुझे कहां काम करने की आवश्यकता है। 28 वर्षीय ने कोथाजीत ने कहा, अगले कुछ महीने हम सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं और ओलंपिक स्थगित होने के साथ ही हमारे पास अपने व्यक्तिगत और टीम के खेल को मजबूत करने का एक बड़ा अवसर है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अनिल कपूर ने शेयर की शर्टलेस तस्वीर, बताया 63 साल में भी कैसे दिखते है जवान

बॉलीवुड सुपरस्टार अनिल कपूर 63 साल के हो चुके हैं लेकिन उनके लुक को देख कर कोई नहीं कह सकता है कि वह 30 से ज्यादा के हैं। सिनेमा में अनिल कपूर अपने जवान लुक के लिए काफी मशहूर हैं। हर कोई जानना चाहता है कि आखिर वह ऐसा क्या करते हैं कि 63 साल में भी उनके चेहरे पर किसी प्रकार का बुढ़ापा नहीं दिखता। शरीर से भी वह एक इंच भी कहीं से अनफिट नहीं हैं।

सोशल मीडिया पर शेयर की गयी ताजा तस्वीरों में अनिल कपूर ने बिना शर्ट के अपनी एक तस्वीर पोस्ट की है जिसमें आप उनकी फिट बॉडी को देख सकते हैं। ये तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं। अनिल कपूर को बीच किनारे पर ट्राउजर और स्पोर्ट शूज में बॉक करते देख सकते हैं। अनिन से तीन तस्वीर को शेयर करते हुए फिट रहने के कुछ टिप्स भी बताएं हैं। अनिल ने खाने को अपना कमजोर बिंदु बताया और बताया कि कैसे उन्होंने अपनी फिटनेस और स्वास्थ्य को बनाए रखा है।

अनिल कपूर की पोस्ट

अनिल कपूर ने इस पोस्ट की शुरुआत की, यह पापा केवल उपदेश नहीं देते हैं और अपने टॉप को हटाकर समुद्र तट पर चले जाते हैं। उन्होंने तीन तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें से दो समुद्र तट से हैं और एक जिसमें वह एक स्विमिंग पूल में चिल कर रहे हैं। उन्होंने फिटनेस का पीछा करने की चुनौतियों के बारे में लिखा, विशेष रूप से एक पंजाबी जो भोजन से प्यार करता है। उन्होंने अपने स्वास्थ्य लक्ष्यों में उनका समर्थन करने के लिए अपने परिवार को श्रेय दिया। यह लॉकडाउन के दौरान था जिसने एक अच्छे लुक को आगे बढ़ाने का फैसला किया।

दिग्गज कलाकार कादर खान की वो अधूरी ख्वाहिश जो कभी पूरी न हो सकी, अभिताभ बच्चन से है कनेक्शन

बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार कादर खान का आज जन्मदिन है। जब तक वो जिंदा थे उन्होंने लोगों के दिलों पर राज किया उनके निधन के बाद आज भी लोग उन्हें उनकी फिल्में देखकर याद करते हैं। कादर खान ने अपनी करियर के दौरान फिल्मों में अभिनय के साथ-साथ कई स्क्रिप्ट राइटिंग, डायरेक्शन, निर्माता के रूप में भी काम किया। इन सभी क्षेत्र में कादर खान सफल रहे।

अमिताभ के साथ किया कई फिल्मों में काम

कादर खान के जन्मदिन पर आज हम आपको बताने जा रहा हैं उनकी एक अधूरी ख्वाहिश के बारे में, उनकी इस अधूरी ख्वाहिश का कनेक्शन बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ हैं। कादर खान और अमिताभ बच्चन ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। दोनों के बीच बॉन्डिंग अच्छी थी। जहां कई फिल्मों में कादर खान अमिताभ बच्चन के अपोजिट विलेन बने तो कई फिल्मों में उन्होंने दोस्त का किरदार निभाया। दोनों की सुपरहिट फिल्मों में अदालत, सुहाग, मुकद्दर का सिकंदर, नसीब और कुली जैसी फिल्में शामिल हैं।

अमिताभ बच्चन को लेकर बनना चाहते थे फिल्म

कादर खान ने अपने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि वह अमिताभ बच्चन को लेकर एक फिल्म बनना चाहते थे। कादर खान के दिमाग में जब यह ख्याल आया तो अमिताभ अपनी दूसरी फिल्मों की शूटिंग कर रहे थे। उसके बाद जब फिल्म की शूटिंग पूरी हुई तो फिल्म कूली के दौरान अमिताभ बच्चन को चोट लग गयी और वह महीनों तक अस्पताल में रहे। अमिताभ का ये दर्द काफी लंबे समय तक रहा। इसके बाद कादर खान का अमिताभ के साथ फिल्म करने का प्रोजेक्ट टलता चला गया।

कादर खान के बारे में

कादर खान का जन्म 22 अक्टूबर 1937 को हुआ था दो साल पहले 31 दिसंबर 2018 को लंबी बीमारी के बाद उनका निधन हो गया। एक भारतीय फिल्म अभिनेता, पटकथा लेखक, हास्य अभिनेता और निर्देशक के रूप में उन्होंने सफल काम किया। एक अभिनेता के रूप में, वह राजेश खन्ना अभिनीत 1973 की फिल्म दाग में पहली बार दिखाई दिए उसके बाद उन्होंने 300 से अधिक फिल्मों में काम किया। वह 1970 से 1999 की अवधि में बॉलीवुड फिल्मों के लिए एक शानदार पटकथा लेखक भी थे और उन्होंने 200 फिल्मों के लिए संवाद लिखे। खान ने बॉम्बे विश्वविद्यालय से संबद्ध इस्माइल यूसुफ कॉलेज से स्नातक किया। 1970 के दशक की शुरुआत में फिल्म उद्योग में प्रवेश करने से पहले, उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर के रूप में मुंबई के एम. एच. साबू सिद्दीक कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग में पढ़ाया।

ऋतिक रोशन की मां पिंकी रोशन कोरोना वायरस से संक्रमित, सोशल मीडिया पर दी जानकारी

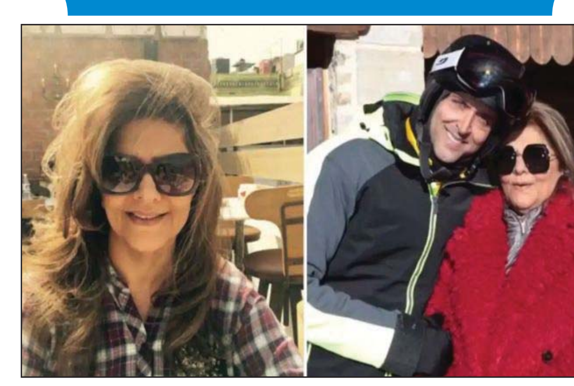

अभिनेता ऋतिक रोशन की मां पिंकी रोशन कोरोना वायरस से संक्रमित पायी गयी है। पिंकी के पति एवं फिल्म निर्माता राकेश रौशन ने इसकी जानकारी दी। पिंकी एक हफ्ते पहले कोरोना वायरस से संक्रमित पायी गयी थी। पिंकी बृहस्पतिवार को 67 साल की हुयी है। इस संबंध में जब राकेश रौशन से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि अभी उनमें संक्रमण के कोई लक्षण नहीं है। रौशन ने कहा, हां यह सही है। उनमें इसका कोई लक्षण नहीं है और वह अपने घर में पृथक- वास में है। एक एंटरटेनमेंट पोर्टल को दिए इंटरव्यू में पिंकी रोशन ने इस खबर की पुष्टि की और बताया कि उन्हें कोई लक्षण नहीं है। उन्होंने कहा, 'प्रत्येक 20 दिन के अंदर हम सभी को एहतियात के तौर पर जाँच करवाते रहे हैं। इसमें हमारे सभी परिवार और कर्मचारी शामिल हैं। इस बार, लगभग एक सप्ताह पहले, मैंने कोविड़-19 सकारात्मक सीमा रेखा का परीक्षण किया। मेरे पास कोई लक्षण नहीं हैं और मेरे डॉक्टरों ने मुझे बताया कि मेरे योग और व्यायाम शासन ने इसे नियंत्रण में रखने में एक बड़ी मदद की है। हालांकि इसका मतलब था कि मेरे पास 15 दिनों से वायरस था। मुझे कल एक और परीक्षण से गुजरना होगा और चलो उम्मीद करते हैं। नकारात्मक वो होगा। ऋतिक रोशन का परिवार कोरोना वायरस से बचने के लिए सभी सुरक्षा उपाय कर रहा है और पिंकी रोशन घर के अलग हिस्से में हैं। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी को अलग-अलग स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया है कि कोई और उससे घातक संक्रमण का अनुबंध न करे।

करीना कपूर खान से शेयर की यात्रा करते हुए तस्वीर, कहा- मास्क पहनिए और बाहर देखिए

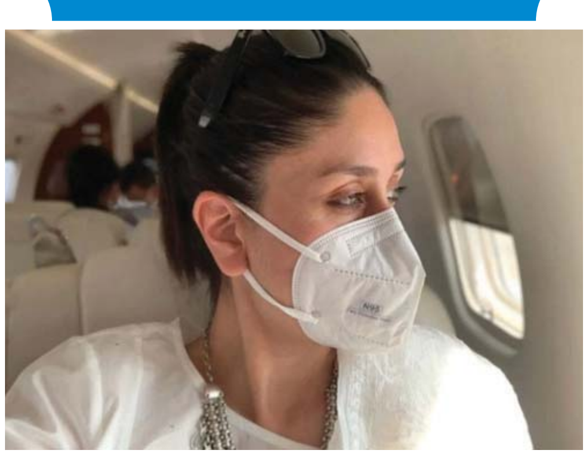

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं रहती हैं, कभी कभी वह सोशल मीडिया पर कोई संदेश या तस्वीर साझा करती है। वह बहुत कम चीजों को वो सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ शेयर करती हैं। करीना कपूर खान ने हाल ही में अपनी फिल्म लाल सिंह चड्ढा की अपने हिस्से की शूटिंग खत्म करने की जानकारी सोशल मीडिया पर दी थी। अब करीना ने हवाई सफर करते हुए एक तस्वीर साझा की है और इसके साथ कैप्शन में लिखा है कि मास्क पहनिए और बाहर देखिए।

करीना कपूर खान की ये तस्वीर दिल्ली से मुंबई लौटने की हैं। करीना ने लाल सिंह चड्ढा की शूटिंग दिल्ली में की थी। वह दिल्ली अपने पति सैफ अली खान और बेटे तैमूर के साथ थी। फिल्म की शूटिंग पूरी करके जब वह मुंबई लौट रही थी तब उन्होंने अपनी ये तस्वीर ली थी। करीना कपूर के कैप्शन के अनुसार वह कहना चाह रही है कि मास्क पहनकर सुरक्षा के साथ आप बाहर देखिए दुनिया बहुत खूबसूरत है।

दिल्ली से मुंबई तक के सफर के लिए करीना ने ऑल-व्हाइट आउटफिट पहना। गर्भवती अभिनेत्री स्टाइलिश दिख रही है। कोरोनावायरस महामारी ने दुनिया भर में यात्रा का तरीका बदल दिया है। तस्वीर में वह विमान की खिड़की से बाहर टकटकी लगाए हुए दिखाई दे रही है।

इस फिल्म में आमिर खान भी मुख्य भूमिका में हैं। करीना करण जौहर की फिल्म तख्त में भी दिखाई देंगी, जिसमें रणवीर सिंह, आलिया भट्ट, विक्की कौशल, भूमि पेडनेकर, जान्हवी कपूर और अनिल कपूर सहित कलाकारों की टुकड़ी है।

'आर्या' फेम एक्ट्रेस प्रियाशा भारद्वाज ने कहा- मैं मुंबई एक्टिंग करने आयी हूं, हीरोइन बनने नहीं

वेब सीरिज 'आर्या' में सुष्मिता सेन की छोटी बहन के किरदार में अपने अभिनय से वाहवाही बटोरने वाली अभिनेत्री प्रियाशा भारद्वाज का कहना है कि मनोरंजन उद्योग में परिवारवाद तो है, लेकिन नए लोगों के लिए अच्छे काम के मौकों की भी कमी नहीं है।

भारद्वाज अब अमेजन प्राइम की बहुप्रतीक्षित वेब सीरिज 'मिर्जापुर 2' में नजर आएंगी जो 23 अक्टूबर से प्रसारित होगी। उन्होंने पीटीआई-को बताया, 'परिवारवाद है, लेकिन मैं इस तरह से प्रोजेक्ट चुन रही हूं कि इसका मुझ पर प्रभाव नहीं पड़ रहा। मैंने 200 ऑडिशन दिए, जिसमें से केवल 40 में कामयाबी मिली।

हालांकि मैं इतना कमा ले रही हूं की यहां रह सकूं। मुंबई में बहुत काम है।' अभिनेत्री ने कहा कि वे अपने कैरियर की दिशा से खुश हैं क्योंकि वह मुंबई हीरोइन बनने नहीं बल्कि अभिनय के सपने को साकार करने आयी थीं।

'आरआरआर' से जूनियर एनटीआर का फर्स्ट लुक आया सामने, कोमाराम भीम के किरदार में आएंगे नजर

बाहुबली फेम डायरेक्टर एसएस राजामौली की अपकमिंग फिल्म 'आरआरआर' काफी समय से सुर्खियों में बनी हुई है। हाल ही में निर्माताओं ने घोषणा की थी कि वे जल्द ही फिल्म से जूनियर एनटीआर का पहला लुक जारी करेंगे। अब, आरआरआर से जूनियर एनटीआर का पहला लुक रिलीज कर दिया है जो बेहद इंटेंस और दमदार नज़र आ रहा है। इस फिल्म में अभिनेता भीम की भूमिका निभा रहे हैं। यूट्यूब पर इस क्लिप ने रिलीज होते ही धमाका कर दिया है। फिल्म में जूनियर एनटीआर का धांसू अंदाज फैंस को हैरान कर रहा है। इससे पहले, मेकर्स ने फिल्म से राम चरण का फर्स्ट लुक जारी किया था जिसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया था। अनलॉक की प्रक्रिया शुरू होने के बाद अब फिल्म मेकर्स तेजी के साथ अपने काम में जुट गए हैं। ऐसे में फर्स्ट लुक और कुछ झलकियां भी सामने आने लगी हैं। फिल्म में एनटीआर, राम चरण, अजय देवगन, आलिया भट्ट, ओलिविया मॉरिस और कई अन्य कलाकार भूमिका निभा रहे है। एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक पीरियड ड्रामा है, जिसमें प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानियों कोमाराम भीम और अल्लूरी सीतारामाराजू के युवा दिनों का एक काल्पनिक वर्णन किया गया है। फिल्म कई अन्य भारतीय भाषाओं के साथ तेलुगु, हिन्दी, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज़ के लिए तैयार है। आरआरआर एक अखिल भारतीय फिल्म है जिसे डीवीवी दानय्या द्वारा डीवीवी एंटरटेनमेंट्स बैनर के तले बनाया गया है।

निर्देशक योगराज भट फिल्म में शिव राजकुमार के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगे प्रभुदेवा

कन्नड़ सुपरस्टार शिवा राजकुमार और अभिनेता प्रभुदेवा दोनो निर्देशक योगराज भट द्वारा निर्देशित फिल्म के लिए एक साथ आ रहे हैं। खबरों के मुताबिक, योगराज भट ने हाल ही में शिव राजकुमार से मुलाकात की और एक स्क्रिप्ट सुनाई। अभिनेता कहानी से काफी प्रभावितऔर तुरंत वह इसका हिस्सा बनने के लिए तैयार हो गया। फिल्म को एक भावनात्मक ड्रामा कहा जा रहा है जो दो लोगों के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है।

योगराज ने शिव राजकुमार और प्रभुदेवा को ध्यान में रखते हुए पटकथा लिखी। शिव राजकुमार ने भी महसूस किया कि प्रभुदेवा इस भूमिका के लिए उपयुक्त होंगे और उन्होंने योगराज से मिलने में मदद की। प्रभुदेवा ने पटकथा से पसंद किया और अपनी प्रारंभिक सहमति दी।

इस साल के अंत तक केवल इस नये प्रोजेक्ट को लेकर एक आधिकारिक घोषणा की जाएगी। निर्माताओं ने जनवरी 2021 में प्रभुदेवा और शिवा राजकुमार द्वारा अपने पूर्व कमिटमेंट को पूरा करने के बाद फिल्म की शूटिंग करने का फैसला किया है।

प्रभदेवा की कन्नड़ फिल्म, H20, जिसमें उन्होंने उपेंद्र और प्रियंका के साथ स्क्रीन स्पेस साझा किया, उनके करियर सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में से एक माना गया। 2002 में रिलीज़ हुई इस फ़िल्म ने दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त की। वह इस समय सलमान खान अभिनीत अपनी बॉलीवुड फिल्म राधे में व्यस्त हैं। वह इस परियोजना का निर्देशन कर रहे हैं।

इस बीच, शिवराजकुमार वर्तमान में अपनी आगामी कन्नड़ फिल्म, भजरंगी 2 की शूटिंग कर रहे हैं। वह नवंबर में विजय मिल्टन की फिल्म पर काम करना शुरू करेंगे। निर्माता फिल्म को 2021 की शुरुआत में पूरा करने की योजना बना रहे हैं और इसे अगले साल गर्मियों के लिए रिलीज़ किया जाएगा। कृष्ण सार्थक द्वारा निर्मित फिल्म है। उन्होंने RDX नामक एक परियोजना पर भी हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि, वह इसके लिए विजय मिल्टन की फिल्म पूरी करने के बाद ही शूटिंग करेंगे। शिवा राजकुमार जल्द ही एक और कन्नड़ फिल्म साइन करने वाले हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग का दावा, साल के अंत तक उपलब्ध होगा कोरोना वायरस का टीका

वॉशिंगटन. अमेरिका ने दावा किया है कि इस साल के अंत तक उसके पास कोरोना वायरस की सुरक्षित वैक्सीन (Covid-19 Vaccine) मौजूद होगी। स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव एलेक्स अजार ने बुधवार को कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में 2020 तक सबसे जरूरतमंद अमेरिकियों को टीका लगाने के लिए पर्याप्त मात्रा में सुरक्षित और प्रभावी वैक्सीन उपलब्ध होने की संभावना है।

एक समाचार सम्मेलन के दौरान अधिकारियों ने कहा कि अमेरिकी सरकार 'सावधानीपूर्वक आशावादी' है कि फाइजर इंक (Pfizer Inc) या मोडर्ना इंक (Moderna Inc) से संभवत: एक या दो वैक्सीन के टीके इस साल के अंत तक उपलब्ध होंगे और अमेरिकियों को वितरित किए जाने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

अजार ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सभी सीनियर सिटीजन, हेल्थकेयर वर्कर्स और फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स को जनवरी से वैक्सीन मिलनी शुरू हो जाएगी, जबकि बाकी अमेरिकी अप्रैल तक वैक्सीन लेने में सक्षम होंगे। कोरोना वैक्सीन विकसित करने के लिए अमेरिकी सरकार के साथ काम कर रही कंपनियों ने टीकाकरण से पहले ही विनिर्माण क्षमताओं को विकसित करना शुरू कर दिया है।

पिछले सप्ताह फाइजर ने एक खुले पत्र में कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के बाद नवंबर के अंत तक अमेरिकी नियामक प्राधिकरण के सामने प्रस्तुत करने के लिए हमारे पास वैक्सीन का पर्याप्त डेटा मौजूद होगा। ठंड के मौसम की वजह से अमेरिका में हाल के दिनों में कोरोना वायरस का प्रकोप बढ़ गया है। 38 अमेरिकी राज्यों में कोरोना के बढ़ते मामले रिपोर्ट किए गए हैं। अबतक 80 लाख से अधिक अमेरिकी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं और 2 लाख से अधिक की मौत हो चुकी है।

PAK: मरयम नवाज भी हो सकती हैं गिरफ्तार, सिंध पुलिस और सेना तकरार के मूड में

इस्लामाबाद. पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की उपाध्यक्ष मरयम नवाज पर गिरफ्तारी की तलवार लटक गई है. उनको जमानत की शर्तों के उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार किया जा सकता है. मिली जानकारी के मुताबिक राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो जमानत उल्लंघन का मामला तैयार कर रहा है और उनकी जमानत रद्द की जा सकती है. उधर सिंध पुलिस ने सेना और इमरान सरकार से मोर्चा लेने का मन बना लिया है और जल्द ही पुलिस की एक बड़ी हड़ताल भी देखने को मिल सकती है.

इससे पहले मरयम के पति मुहम्मद सफदर को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है. हालांकि, उनको कुछ देर बाद जमानत पर रिहा भी कर दिया गया था. पाकिस्तान के इतिहास में शायद ये पहली बार है, जब ऐसा आरोप लगा है कि पुलिस के एक बड़े अफ़सर को ही %अग़वा% कर लिया गया और उनसे ज़बरदस्ती एक नेता को गिरफ़्तार करवाने के लिए दस्तख़त करवाए गए. और वो नेता थे पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ़ के दामाद और रिटायर्ड फ़ौजी कैप्टन मोहम्मद सफ़दर.

पुलिस हड़ताल के मूड में

अब पुलिस वालों ने इसे अपनी इज़्ज़त का मामला बना लिया और फिर अफ़सर और उनके एक दर्जन से ज़्यादा दूसरे अफ़सरों ने दो महीने के लिए छुट्टी पर जाने की दरख़्वास्त डाल दी. इसके बाद पुलिस अफ़सरों ने अपनी छुट्टी की अर्ज़ी को और 10 दिन के लिए टाल दिया है. इस मामले को लेकर अब सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए हैं.

हालाँकि, दोनों के बीच टकराव इस घटना से कुछ समय पहले ही शुरू हो गया था और इस हफ़्ते जो भी हुआ वो उसी की एक कड़ी है. सिंध के पुलिस प्रमुख मुश्ताक महार ने अपनी छुट्टी टाल दी है और उन्होंने अपने अधिकारियों से भी देश के व्यापक हित में 10 दिनों के लिए छुट्टी टालने का अनुरोध किया है. सफदर की गिरफ्तारी के हालात की सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा द्वारा जांच का आदेश दिए जाने के बाद पुलिस प्रमुख ने अधिकारियों से यह अनुरोध किया है.

मौलाना डीजल ने भी दी चेतावनी

उधर पाकिस्तान में विपक्ष ने मंहगाई, बिजली नहीं रहने और दूसरे आर्थिक मुद्दों को लेकर इमरान ख़ान सरकार को घेरना शुरू कर दिया है. वहाँ विपक्षी दलों ने मिलकर पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) नाम का एक गठबंधन बनाया है. इस बीच, जमीयत उलमा-ए-इस्लाम (एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने बुधवार को पाकिस्तानी सेना को चेतावनी दी कि वह सरकार और पुलिस के मामलों में दखल देना बंद करे, अन्यथा देश में एकता नहीं रह पाएगी. रहमान ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कराची की हालिया घटनाओं से साफ हो गया है कि पाकिस्तान में हर चीज पर सेना का सख्त नियंत्रण है.

पूर्व पीएम नवाज़ शरीफ की बेटी मरयम नवाज़ पर भी अब गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है. इससे पहले उनके पति मोहम्मद सफ़दर को भी गिरफ्तार कर लिया गया था. सफ़दर की गिरफ्तारी के बाद सिंध पुलिस ने सेना पर उनके आईजी को बंधक बनाने का आरोप भी लगाया था.

चीन के साथ तनाव के बीच ताइवान को 1.8 अरब डॉलर के हथियार बेचेगा अमेरिका

वाशिंगटन. चीन के साथ जारी तनाव के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका ने ताइवान को मिसाइल और तोपखाने सहित तीन हथियार प्रणालियों की संभावित बिक्री को मंजूरी दे दी है, जिसका कुल मूल्य 1.8 अरब अमेरिकी डालर हो सकता है। वही, ताइवान की सक्रियता को देखते हुए चीन ने भी अपनी सामरिक तैयारियों को मजबूत करना शुरू कर दिया है। दक्षिणपूर्व के समुद्री तट पर पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की गतिविधियां तेज हो गई हैं और अत्याधुनिक मिसाइल तैनात की जा रही हैं।

विदेश विभाग द्वारा कांग्रेस के लिए औपचारिक अधिसूचना के मुताबिक इस जील में लॉकहीड मार्टिन कॉर्प द्वारा बनाए गए 11 ट्रक-आधारित रॉकेट लॉन्चर भी हैं, जिसे उच्च गतिशीलता आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम (HIMARS) कहा जाता था। इसकी अनुमानित लागत 40 करोड़ डालर के आसपास है। इसके अलावा बोइंग द्वारा बनाए गए 135 AGM-84H स्टैंडऑफ लैंड अटैक मिसाइल एक्सपेंडेड रिस्पॉन्स (SLAM-ER) को भी शामिल किया गया है, जिसकी अनुमानित राशि 1 अरब डॉलर है।

अमेरिका ने यह फैसला ऐसे समय में आया है जब चीन और ताइवान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। चीन बार-बार ताइवान पर हमले की धमकी दे रहा है और स्व-शासित द्वीप को डराने के लिए आक्रामक नीति अपना रहा है। दूसरी तरफ हाल ही के दिनों में भारत-प्रशांत क्षेत्र और कोरोना वायरस महामारी सहित विभिन्न कारणों से चीन और अमेरिका के बीच संबंध खराब हुए हैं। दशकों से चीनी सरकार ताइवान पर अपने अधिकार का दावा करती रही है। हालांकि, ताइवान को संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है, बावजूद इसके ताइवान सरकार अमेरिका के साथ संबंध बनाए रखे हुए है, जो की चीन को पसंद नहीं है।

ब्राजील में कोरोना वैक्सीन के ट्रायल में शामिल एक वालंटियर की संदिग्ध मौत, जानें आखिर क्या हुआ

ब्रीजीलिया. Coronavirus Vaccine Big Update, कोरोना वैक्सीन पर इस वक्त एक बड़ी खबर ब्राजील से आ रही है। यहां कोरोना वैक्सीन के ट्रायल में शामिल एक वालंटियर की अचानक मौत हो गई है। ब्राजील की स्वास्थ्य एजेंसी एविसा ने बुधवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि एस्ट्राज़ेनेका और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की जा रही कोरोना वैक्सीन के क्लीनिकल ट्रायल में शामिल एक वालंटियर की मौत हो गई है। इसके साथ ही ब्राजील की स्वास्थ्य एजेंसी एविसा ने कहा कि इसके बावजूद वैक्सीन का ट्रायल जारी रहेगा।

नहीं दी गई थी वैक्सीन

हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रायल के दौरान वालंटियर को वैक्सीन या एक प्लेसबो की डोज़ दी गई थी या नहीं। ब्राजील के स्वास्थ्य एजेंसी एविसा एनविसा ने चिकित्सा गोपनीयता के कारणों का हवाला देते हुए किसी भी अधिक जानकारी का खुलासा करने से इनकार कर दिया है।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने बुधवार को एक ईमेल

बयान में एक मीडिया को बताया कि सभी महत्वपूर्ण चिकित्सकीय घटनाएं, चाहे प्रतिभागी नियंत्रण समूह या कोरोना वैक्सीन समूह में हों, इसकी स्वतंत्र रूप से समीक्षा की जाती है। ब्राजील में इस मामले के सावधानीपूर्वक मूल्यांकन के बाद, क्लीनिकल ट्रायल की सुरक्षा और स्वतंत्र समीक्षा में कोई चिंता नहीं है। उन्होंने बताया कि ब्राजील के नियामक ने सिफारिश की है कि वैक्सीन का परीक्षण जारी रहना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट में आगे बताया गया कि वैक्सीन बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका(AstraZeneca) के एक प्रवक्ता ने उन रिपोर्टों पर विशेष रूप से टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जिनमें कहा गया था कि ब्राजील में एक कोरोना वायरस वैक्सीन के परीक्षण में एक स्वयंसेवक की मृत्यु हो गई थी, लेकिन फिलहाल टीके के ट्रायल को रोके जाने को लेकर कोई कदम नहीं उठाया गया है। वैक्सीन बनाने वालीकंम्पनी एस्ट्राजेनेका(AstraZeneca) के प्रवक्ता ने आगे कहा कि हम ऑक्सफोर्ड वैक्सीन के चल रहे ट्रायल में व्यक्तिगत मामलों पर टिप्पणी नहीं कर सकते क्योंकि हम चिकित्सा गोपनीयता और नैदानिक परीक्षण नियमों का कड़ाई से पालन करते हैं, लेकिन हम पुष्टि कर सकते हैं कि सभी आवश्यक समीक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया गया है।

पहले भी हुई ऐसी घटना

इससे पहले सितंबर में ब्रिटेन में वैक्सीन के ट्रायल के दौरान एक वॉलंटिअर को अस्पताल ले जाना पड़ा था। इसके बाद दुनियाभर में ट्रायल रोक दिए गए। हालांकि, बाद में ट्रायल फिर से शुरू हो गए। लेकिन अब एक बार फिर सवाल खड़ा हो गया है कि ब्राजील की घटना के बाद क्या फैसला किया जाएगा।

दुनिया भर में कोविड-19 का आंकड़ा 4 करोड़ 11 लाख के पार

वाशिंगटन. पिछले साल के अंत में चीन के वुहान से निकले नॉवेल कोरोना वायरस ने अब तक पूरी दुनिया के 4 करोड़ 11 लाख से अधिक लोगों को संक्रमित कर दिया है वहीं इस संक्रमण के कारण मरने वालों की कुल संख्या 11 लाख 30 हजार 4 सौ के पार चली गई है। यह आंकड़ा अमेरिका के जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी की ओर से हर दिन जारी की जाती है।

यूनिवर्सिटी के द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार सुबह तक पूरी दुनिया में घातक वायरस के चपेट में 4 करोड़ 11 लाख 48 हजार 42 लोग आ चुके हैं। इस वायरस के कारण 11 लाख 30 हजार 4 सौ 5 लोगों की मौत हुई है। इस संक्रमण के कारण सबसे बुरी तरह प्रभावित अमेरिका है जहां दुनिया के तमाम देशों की तुलना में सबसे अधिक संक्रमितों की संख्या है और मरने वालों का आंकड़ा भी अधिक है। यहां अब तक कुल संक्रमितों की संख्या 83 लाख 33 हजार 5 सौ 91 है और मरने वालों की संख्या 2 लाख 22 हजार 63 है। यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सिस्टम्स साइंस एंड इंजीनियरिंग (CSSE) ने अपने नवीनतम अपडेट में खुलासा किया।

CSSE के अनुसार, संक्रमण के आंकड़ों को देखते हुए बनाई गई लिस्ट में भारत दूसरे स्थान पर है। यहां कुल संक्रमितों का आंकड़ा 76 लाख 51 हजार 1 सौ 7 है और यहां मरने वालों का आंकड़ा 1 लाख 15 हजार 9 सौ 14 है।

दक्षिण कोरिया में नियमों में छूट मिलने ही कोरोना वायरस के मामलों में उछाल

सियोल. कोरोना वायरस थमने का नाम नहीं ले रहा है। दक्षिण कोरिया में अर्थव्यवस्था बेहतर करने के लिए सामाजिक मेल जोल से दूरी बनाए रखने के नियमों में कुछ रियायत देने के एक सप्ताह बाद ही कोविड-19 के नए मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। देश में कोविड-19 के 121 नए मामले सामने आए हैं। कोरिया रोग नियंत्रण एवं रोकथाम एजेंसी ने गुरुवार को बताया कि दक्षिण कोरिया में अभी तक कोविड-19 के कुल 25,543 मामले सामने आए हैं, जिनमें से अब तक 453 लोगों की मौत हो चुकी है।

अधिकारियों ने वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सियोल महानगरीय क्षेत्र के अस्पतालों, नर्सिंग होम और बुजुर्ग कल्याण केन्द्रों के 1,30,000 कर्मचारियों की जांच भी शुरू की है। बता दें कि दक्षिण कोरिया उन देशों में शामिल है, जिन्?होंने कोविड-19 पर बेहद जल्दी काबू पा लिया था। कई देशों में दक्षिण कोरिया के कोरोना को नियंत्रित करने के तरीकों को आजमाया थी। यही वजह है कि दक्षिण कोरिया में अभी सिर्फ 25 हजार लोग ही कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं।

कई देशों में कोरोना वायरस से संक्रमितों की संख?या लाखों में पहुंच गई है, जिनमें अमेरिका और भारत जैसे देश शामिल हैं। कोरोना वायरस ने अब तक पूरी दुनिया के 4 करोड़ 11 लाख से अधिक लोगों को संक्रमित कर दिया है। वहीं, इस संक्रमण के कारण मरने वालों की कुल संख्या 11 लाख 30 हजार 400 के पार चली गई है। वहीं, भारत में कोरोना वायरस को नियंत्रित करने के लिए कई कठोर कदम उठाए गए।

कोरोना के ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत में रिकवरी दर अब 90 फीसदी की ओर तेजी से बढ़ रही है। अब तक करीब 69 लाख लोग कोरोना से ठीक हो चुके हैं। हालांकि, भारत में बीते 24 घंटों में कोरोना के 55,838 नए मामले सामने आए हैं।

इस दौरान देश में 702 लोगों की मौत भी हुई है। इसको मिलाकर कोरोना का कुल आंकड़ा 77 लाख के पार चला गया है।

पोप फ्रांसिस ने समलैंगिकों को भगवान के बच्चे बताया, कहा- समान अधिकार मिले

पोप फ्रांसिस ने कहा है कि उन्हें लगता है कि समलैंगिक जोड़ों को समान नागरिक अधिकारमिलने चाहिए. पोप फ्रांसिस ने यह टिप्पणी यिवजिनी अफिनेवस्की द्वारा निर्देशित एक डॉक्यूमेंट्री में की.

रोम. पोप फ्रांसिस ने कहा है कि उन्हें लगता है कि समलैंगिक जोड़ों को समान नागरिक अधिकार मिलने चाहिए. यिवजिनी अफिनेवस्की द्वारा निर्देशित एक डॉक्यूमेंट्री में पोप फ्रांसिस ने यह टिप्पणी की. उनकी इस टिप्पणी को जानकारों ने समलैंगिक संबंधों पर उनके द्वारा की गई अभी तक की सबसे स्पष्ट टिप्पणी है. इस डॉक्यूमेंट्री का प्रीमियर बुधवार को हुआ. इस फिल्म में उन्होंने साफ़ शब्दों में कहा कि समलैंगिक लोगों को परिवार में रहने का अधिकार है.

समलैंगिकों को एक परिवार में रहने का अधिकार मिले

फिल्म में पोप फ्रांसिस ने उन्हें भगवान के बच्चे बताते हुए कहा कि उन्हें भी एक परिवार में रहने का अधिकार है. सिर्फ समलैंगिक होने के कारण किसी को भी परिवार से अलग नहीं कर देना चाहिए और न ही सिर्फ समलैंगिक होने के कारण उनका जीवन दयनीय बना दिया जाना चाहिए.

समलैंगिकों के अधिकारों की लड़ाई का मेरा समर्थन

समलैंगिक जोड़ों को नागरिक अधिकारों को देने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि हमें जो बनाना है— वह एक नागरिक संघ कानून है. इस तरह से वे क़ानूनी रूप अधिकार प्राप्त कर सकेंगे. उन्होंने कहा कि वे उनके अधिकारों की लड़ाई में उनके साथ खड़े हैं. जब पोप फ्रांसिस ब्यूनस आयर्स के आर्कबिशप थे और कानून में समलैंगिक विवाहों का विरोध कर रहे थे उस समय भी उन्होंने समलैंगिक जोड़ों के अधिकारों के लिए क़ानूनी संरक्षण का समर्थन किया था.

पोप फ्रांसिस के जीवन और काम से संबंधित इस फिल्म 'फ्रांसेस्को' का प्रीमियर रोम फील फेस्टिवल के एक अंग के रूप में हुआ. इस फिल्म में सिविल यूनियनों पर की गई पोप की टिप्पणियों के साथ-साथ उन्हें दो समलैंगिक पुरुषों को उनके तीन बच्चों के साथ चर्च में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हुए भी दिखाया गया है. वर्तमान कैथोलिक मत में समलैंगिक संबंधों को पथभ्रष्ट या विकृत व्यवहार माना जाता है. 2003 में वेटिकन की सैद्धांतिक इकाई ने आस्था मत से जुड़े समागम में कहा कि समलैंगिक व्यक्तियों के लिए हमारा सम्मान किसी भी तरह से न तो समलैंगिक व्यवहार को मंजूरी दे सकता है और न ही या समलैंगिक संघों की कानूनी मान्यता को.

पोप के रूप में पोप फ्रांसिस का समलैंगिकों के संबंध में यह उनका पहला मुखर समर्थन है - और निस्संदेह चर्च के उदार विंग द्वारा इसका स्वागत किया जाएगा और परंपरावादियों द्वारा आलोचना की जाएगी.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुरत मनपा के अधिकारीयो खुलेआम कर रहे भष्टाचार

यह बांधकाम अन्य व्यकित के द्वारा करने पर किया डिमोलिशन

दीपेश नामक कांट्रेक्टर द्वारा बनाये गई किसी भी मिल्कत पर सुरत मनपा नही करती कार्यवाही

सुरत मनपा रास्ता में जीवन जरूरत की समान बेचने वाले पर म्युनिसिपल कोपोरेशन की धारा के तहत कार्यवाही

सुरत महानगर पालिका के बैठा हुआ कर्मचारी क्या मोटर व्हीकल एक्ट अधिनियम का पालन कर रहे हैं की सुरत मनपा के कर्मचारीयों पर इस धारा का कोई भी पालन करना आवश्यक नही होता.

मनपा की मनमानी

सुरत मनपा को लारी-गल्ले उठाने का परिपत्र होने से कार्यवाही तो किस धारा के अर्न्तगत मॉल-समान के साथ उठा कर ले गई लारी-गल्ले

कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के आदेशानुसार

कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के आदेशानुसार के कार्यवाही शुरू किया गया

सार-समाचार

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के दोषी को 10 साल की सजा

सूरत शहर के सचिन क्षेत्र की नाबालिग लड़की को शादी की लालच देकर भगा ले जाने और उसके बाद कई दुष्कर्म करने के आरोपी को कोर्ट ने दोषी करार देते हुए 10 साल की सजा और जुर्माने का आदेश दिया है। महाराष्ट्र के नंदुरबार का मूल निवासी एक श्रमिक परिवार जीवनयापन के लिए दक्षिण गुजरात के सूरत में बस गया था। चार साल पहले सूरत के सचिन बसे इस परिवार की 15 वर्षीय बेटी के वहां काम करने वाले राहुल जितेन्द्र गावित नामक युवक से नैन मिल गए और दोनों प्यार करने लगे। दो साल पहले 26 जनवरी 2016 को श्रमिक परिवार की नाबालिग लड़की नल से पानी भरने गई थी। काफी देर तक बेटी के नहीं लौटने पर परिवार ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी। लेकिन उसका कहीं अता पता नहीं मिला। बाद में पता चला कि उनकी बेटी को राहुल गावित शादी की लालच देकर भगा ले गया है। परिवार ने राहुल गावित के खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। पुलिस ने राहुल गावित को उसके गांव से गिरफ्तार कर नाबालिग लड़की को मुक्त कराया। जांच में लड़की के साथ कई दफा दुष्कर्म का खुलासा होने के बाद पुलिस ने पोक्सो के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया। चार साल पुराने इस मामले पर सुनवाई करते हुए आज सूरत की कोर्ट ने राहुल गावित को दोषी करार देते हुए जुर्माना समेत 10 साल की सजा सुनाई हैं!

डॉक्टर हनीट्रेप में फांस सवा लाख से अधिक ऐंठे, दो महिला समेत पांच गिरफ्तार

आणंद (ईएमएस)द्य आणंद के पेटलाद में हनीट्रेप की घटना सामने आई है। नडियाद के एक डॉक्टर को हनीट्रेप में फांसकर सवा लाख रुपए अधिक की रकम ऐंठने के बाद उससे और रुपयों की मांग की जा रही थीं। परेशान होकर डॉक्टर ने आखिर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। पुलिस ने दो महिला और तीन पुरुष समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कानूनी कार्रवाई शुरु की है। जानकारी के मुताबिक नडियाद के एक डॉक्टर को गत 29 सितंबर को प्रफुल्ला नामक महिला का फोन आया था। प्रफुल्ला ने फोन पर डॉक्टर से एक मरीज देखने पेटलाद बुलाया था। प्रफुल्ला के बुलाने पर डॉक्टर उसके पास पहुंच गया। जहां महिला के साथ एक युवती भी थी। प्रफुल्ला और युवती डॉक्टर को लेकर दंताली के निकट एक घर में पहुंचे। लेकिन घर में कोई नहीं था। डॉक्टर ने जब मरीज के बारे में पूछा तो महिला ने कहा कि आप थोड़ी बैठिए। डॉक्टर को पानी देने के बाद प्रफुल्ला बाहर चली गई और उसके साथ आई युवती ने घर का दरवाजा बंद कर अपने कपड़े उतार निर्वस्त्र हो गई। युवती की हरकत से हतप्रभ डॉक्टर ने दरवाजा खोलने का प्रयास किया, लेकिन दरवाजा बाहर से बंद था। उस दौरान युवती ने चीखना चिल्ला शुरू कर दिया। कुछ देर में पिछले दरवाजे से तीन शख्स घर में घुस आए और खुद को पुलिस बताते हुए डॉक्टर से कहा यहां गंदा काम करने आते हो।

बलात्कार के आरोप में जेल भेजने की डॉक्टर की धमकी दी। धमकी से डरा डॉक्टर अज्ञात शख्सों के सामने गिड़गिड़ाने लगा। लेकिन उन शख्सों पर कोई असर नहीं हुआ और उन्होंने डॉक्टर को निर्वस्त्र कर पहले से निर्वस्त्र खड़ी युवती के साथ उसकी तस्वीरें खींची और वीडियो भी बना लिया। इस बीच प्रफुल्ला भी वहां पहुंच गई और पांचों ने मिलकर डॉक्टर को जान से मारने की धमकी दी। डॉक्टर की पैंट स 6100 रुपए और एक मोबाइल भी ले लियाद्य डॉक्टर को गिड़ागिड़ाता देख उससे पांच लाख रुपए की मांग की। हांलाकि सवा लाख में सौदा होने पर डॉक्टर ने अपने दोस्त से रुपए मंगाए और प्रफुल्ला समेत उसके साथी को देकर उनसे छुटकारा पाया। गत 17 अक्टूबर को डॉक्टर पर युवती के पति के नाम से एक फोन आया, परंतु बातचीत किए बगैर फोन काट दिया गया। जिसके बाद प्रफुल्ला ने डॉक्टर को फोन किया और युवती के साथ तस्वीरें व वीडियो के नाम पर रु. 40000 की मांग की। रुपए नहीं मिलनेपर सोशल मीडिया पर तस्वीर और वीडियो वायरल करने की धमकी दी। प्रफुल्ला और उसके साथियों से परेशान डॉक्टर ने आखिर पुलिस थाने में पांच लोगों के खिलाफ पेटलाद टाउन पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने दो महिला और तीन पुरुष समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

होटल में पार्क ट्रक से 22.82 लाख की शराब जब्त, ड्राइवर-क्लीनर गिरफ्तार

अहमदाबाद बगोदरा पुलिस ने रोहिका चौराहे के निकट एक होटल के निकट पार्क से रु. 22.82 लाख कीमत की विदेशी शराब समेत ट्रक के ड्राइवर और क्लीनर को गिरफ्तार कर लियां। हरियाणा से लाई गई शराब राजकोट पहुंचाई जानी थीं। जानकारी के मुताबिक पूर्व सूचना के आधार पर बगोदरा पुलिस हाईवे पर गश्त पर थी। उस दौरान रोहिका चौराहे के निकट एक होटल के निकट पार्क ट्रक की जांच की। ट्रक में चावल की बोरियां लदी थी, जिसकी आड़ में बड़ी मात्रा में विदेशी शराब की पेटियां छिपाई गई थीं। पुलिस ने ट्रक से रु. 2282400 कीमत की 17160 विदेशी शराब की बोतलें, रु. 8100 कीमत के चावल और ट्रक समेत रु. 3292000 का माल जब्त कर लिया। साथ ही ट्रक के ड्राइवर हरियाणा निवासी 27 वर्षीय हरविंदरसिंह मंगतसिंह सरतार और 26 वर्षीय क्लीनर विकास हरपालसिंह जाट को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में ड्राइवर और क्लीनर ने बताया कि हरियाणा के जस्सी राणा ने विदेशी शराब ट्रक में लदवाई थी, जिसे राजकोट पहुंचाई जानी थीद्य पुलिस ने ड्राइवर और क्लीनर के खिलाफ मामला दर्ज आगे की कार्रवाई शुरू की।

विसावदर में मकान ढहने से मां-बेटे की मौत, पिता और अन्य पुत्र घायल

जूनागढ़ विसावदर में कल देर रात एक मकान के अचानक ढहने से माता और एक पुत्र की मौत हो गईद्य जबकि पिता और दूसरा पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गएद्य घायलों को विसावदर के अस्पताल में भर्ती कराया गया हैद्य जानकारी के मुताबिक जूनागढ़ जिले के विसावदर में रेलवे स्टेशन के निकट दिनेशभाई मकवाणा अपने परिवार के साथ रहते हैंद्य बुधवार की रात मकान की छत अचानक ढहने से दिनेश मकवाणा की पत्नी रीना मकवाणा और 11 वर्षीय बेटे दिवय की मौत हो गईद्य जबकि दिनेश मकवाणा अपने बड़े पुत्र दीपस के साथ घायल हो गएद्य दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई.

जन शिकायत केन्द

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

आप की समस्या, परेशानीयों हो तो संपर्क करें. 9879141480

दशहरे पर कोरोना का साया, कहीं रामलीला हो रही रद्द तो कहीं रामकथा का डिजिटल प्रसारण चल रहा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

हर वर्ष अक्टूबर के महीने तक उत्तर भारत के छोटे बड़े मैदानों में रामलीला का मंचन शुरु हो जाता है और शाम होते ही चारों ओर रामायण की गूंज सुनायी देने लगती है। लेकिन इस बार अक्टूबर अलग है। इस बार दशहरे की वह चहल-पहल गायब है क्योंकि अधिकतर रामलीलाओं का मंचन या तो रद्द कर दिया गया है या फिर कोरोना वायरस महामारी वाले इस माहौल में रामलीला रिकॉर्ड करने के बाद डिजिटल मंचन कर अच्छाई की बुराई पर विजय की यह पौराणिक गाथा लोगों को दिखायी जा रही है। इस तरह का ही दृश्य उत्तरी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में विष्णु-अवतार रामलीला समिति के रामलीला मंचन में देखने को मिल रहा है जहां इस बार राम जन्म से पहले उनकी कोरोना जांच की जा रही है तो सीता स्वयंवर से पहले भगवान शिव का धनुष सैनिटाइज किया जा रहा है और भरत- मिलाप के दृश्य में राम से मिलने के दौरान भरत मास्क में नजर आ रहे हैं। इस तरह से कोविड-19 महामारी में राम और सीता, लक्ष्मण और हनुमान की स्वामिभक्ति, और राम-रावण के बीच के युद्ध का वर्णन सुनाया जा रहा है। विष्णु अवतार समिति के प्रमुख प्रेमपाल सिंह ने कहा, ''हमने कोई कसर नहीं छोड़ी है कि हमारी रामलीला किसी भी नियम का पालन न करने के कारण रद्द हो। कहानी में बदलावों से हम जनता के बीच जागरूकता भी पैदा कर रहे हैं।''

लयबद्ध संगीत के बीच मंच पर अभिनेता किरदारों में ढलकर लोगों के सामने आ रहे हैं और कुछ कलाकार तो मंच पर पीपीई किट पहन कर आ रहे हैं। सिंह ने कहा,'जिन दृश्यों में पहले 20 कलाकार हुआ करते थे उनमें अब केवल पांच या 10 कलाकार ही मंच पर आ रहे हैं। इसी तरह, दर्शकों की कुर्सियां भी एक दूसरे से छह छह फुट की दूरी पर हैं। प्रवेश के समय हम सभी को सैनिटाइज करते हैं और सभी आगंतुकों को मास्क वितरित करते हैं।' शास्त्री पार्क समिति उन कुछ समितियों में से एक है जिन्होंने समय रहते नियमों के अनुसार खुद को ढाल लिया। इस बार रामलीला आयोजन की औपचारिक तौर पर घोषणा केवल एक सप्ताह पहले 11 अक्टूबर को की गई जिसके कारण ज्यादातर आयोजक आवश्यक लाइसेंस और अनुमति हासिल नहीं कर सके। पिछले 15 सालों से रामलीला आयोजकों को अभिनेता, नृत्य करने वाले लोग और सहायक टीमें प्रदान करने वाले संस्कृति कला संगम को इस वर्ष कहीं से रामलीला का आमंत्रण नहीं मिला तो समूह के निदेशक यश चौहान ने डिजिटल माध्यमों से रामायण की कहानी कहने का निर्णय लिया। संगम समूह ने कई वर्षों तक अयोध्या, चित्रकूट, मेरठ और रोहतक में रामलीला का मंचन किया है। दिल्ली में यमुना किनारे रामायण की शूटिंग कुछ दिन पहले ही पूरी करने के बाद चौहान यूट्यूब और फेसबुक के माध्यम से दशहरे तक इसका प्रसारण कर रहे हैं। उन्होंने गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए शूटिंग तो पूरी कर ली लेकिन कहा कि सामाजिक दूरी का पालन करना काफी मुश्किल काम था।

चौहान ने कहा,'हम मंच पर सामाजिक दूरी कैसे रखेंगे? जब तक राम और भरत गले न मिलें, हम भरत-मिलाप कैसे दिखाएंगे?' भक्तों द्वारा राम की जन्मभूमि मानी जाने वाली ऐतिहासिक नगरी अयोध्या में सरयू नदी के तट पर एक और भव्य रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। दूरदर्शन, यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाली अयोध्या की रामलीला में दिल्ली के भाजपा सांसद और अभिनेता मनोज तिवारी अंगद, गोरखपुर के भाजपा सांसद और अभिनेता रवि किशन भरत और विंदू दारा सिंह हनुमान की भूमिका निभा रहे हैं। कई आयोजकों ने उन्हें तैयारी करने के वास्ते पर्याप्त समय नहीं देने के लिए दिल्ली सरकार को दोषी ठहराया। दिल्ली की लव कुश रामलीला समिति के सचिव अर्जुन कुमार ने पीटीआई-को बताया ''रामलीला की तैयारी के लिए कम से कम दो माह लगते हैं। ऐसा लगता है कि सरकार नहीं चाहती कि हम मंचन करें। लाला किला मैदान में इस समिति द्वारा आयोजित रामलीला को देखने के लिए जानी-मानी हस्तियां पहुंचती हैं। कुमार ने कहा ''हम कोविड की गंभीरता समझते हैं लेकिन वे हमें तैयारियों के लिए दो माह का समय तो दे ही सकते थे। गिनेचुने दिनों में आयोजक कितनी अनुमति ले पाएंगे ?'' उन्होंने कहा ''हम मानक संचालन प्रक्रिया का इंतजार करते रहे और इसकी वजह से तैयारियां नहीं कर पाए। अंततः हमने इस साल रामलीला का आयोजन न करने का फैसला किया।

सार समाचार

आईएलएस कवरत्ती को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया, अत्याधुनिक हथियारों से है लैस

विशाखापत्तनम। थल सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने बृहस्पतिवार को यहां नौसेना डॉकयार्ड में लड़ाकू पोत आईएनएस कवरत्ती को भारतीय नौसेना में शामिल किया। आईएनएस कवरत्ती प्रोजेक्ट 28 (कमरोटा श्रेणी) के तहत स्वदेशी चार जहाजों में से आखिरी जहाज है और इसका डिजाइन नौसेना की शाखा नौसेना डिजाइन निदेशालय ने तैयार किया है। सभी प्रणाली लगाए जाने और समुद्र में परीक्षण के बाद लड़ाकू भूमिका में तैयारी के साथ इसे नौसेना में शामिल किया गया है। आईएनएस कवरत्ती अत्याधुनिक हथियारों से लैस है और यह सेंसर के जरिए पनडुब्बियों का पता लगाने में सक्षम है। पनडुब्बी रोधी युद्धक क्षमता से लैस होने के साथ इस जहाज को लंबी तैनाती पर भेजा जा सकता है। इसमें ऐसी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है कि यह दुश्मनों की नजर से बचकर निकल सकता है। नौसेना के मुताबिक, 'जहाज में 90 प्रतिशत तक स्वदेशी सामान का इस्तेमाल हुआ है और इसमें ढांचा के निर्माण में कार्बन कम्पोजिट इस्तेमाल किया गया।' कवरत्ती को शामिल करने से भारतीय नौसेना की क्षमता में इजाफा होगा। नौसेना ने कहा है कि गार्डन रिच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई), कोलकाता ने यह जंगी पोत तैयार किया है। पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल अतुल कुमार जैन, जीआरएसई के अध्यक्ष और प्रबंधन निदेशक एडमिरल (सेवानिवृत्त) वी के सक्सेना और अन्य अधिकारी कार्यक्रम में मौजूद थे।

पालघर में साधुओं की हत्या का मामला: आठ और लोग गिरफ्तार

मुम्बई। पालघर जिले के गडचिंचले गांव में इस वर्ष अप्रैल में दो साधुओं समेत तीन लोगों की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किये जाने के मामले में महाराष्ट्र पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने बृहस्पतिवार को आठ और लोगों को गिरफ्तार किया। मामले में अभी तक 186 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 11 नाबालिग हिरासत में लिए गए हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार को 24 लोगों को गिरफ्तार किए जाने के बाद पुलिस ने बृहस्पतिवार को आठ और लोगों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के फैले होने के बावजूद ये आरोपी घटनास्थल पर मौजूद थे और इन्होंने किसी को अपराध करने से रोका नहीं। अधिकारी ने बताया कि इनमें से कुछ ने घटना का वीडियो बनाया और कुछ ने वहां हल्ला भी मचाया था। आरोपियों के हाथ में लाठियां थीं। गत 16 अप्रैल को दो साधु सहित तीन लोग कोरोना वायरस महामारी के चलते लागू लॉकडाउन के बीच सूरत में एक अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए जा रहे थे। तीनों गांव से गुजर रहे थे, इसी दौरान भीड़ ने उन पर हमला कर दिया था। यह हमला इस अफवाह के बीच हुआ था कि लॉकडाउन के दौरान क्षेत्र में बच्चा चुराने वाले घूम रहे हैं।

मेरठ शहर के ऊपर से होकर गुजरेगा इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन, इस समय दिखेगा नजारा

नई दिल्ली। मेरठवासियों के लिए काफी अच्छी खबर आई है। जी हां, जिन लोगों को अंतरिक्ष और आसमानों से जुड़ी गतिविधियां देखने में काफी रूची है वह अब आने वाले 30 अक्टूबर तक आसमान में कई गतिविधियों को लाइव होते हुए देख पाएंगे। बता दें कि यूपी के मेरठ से अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन गुजरने वाला है। एक खबर के मुताबिक, यह स्पेस स्टेशन हर सुबह 4 बजे से 5-30 तक मेरठ से होकर गुजरेगी और यह केवल 418 किलोमीटर उपर से होकर मेरठ के आसमानों से निकलेगा। मेरठ एनएएस कलेज के शिक्षक और खलोग वैज्ञानिक दीपक शर्मा ने बताया कि यह स्पेस स्टेशन अध्ययन के लिए पृथ्वी के बाहर 32000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से 90 मिनट में धरती का एक चक्कर लगाएगी। ये स्पेस स्टेशन मेरठ के आसमानों के 6 चक्कर लगाएगी जिसको आम लोग नंगी आंखों से आराम से देख पाएंगे। दीपक शर्मा के मुताबिक, यह वहीं स्पेस स्टेशन हैं जिसमें भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा,बाद में कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स ने भी उड़ान भरी थी। उन्होंने आगे कहा कि, यह स्पेस स्टेशन पृथ्वी के सबसे पास से होकर गुजरेगी। आप इसका आसानी से वीडियो भी बना पाएंगे।

दिल्ली के सभी विधानसभा क्षेत्रों में चलाया जाएगा 'रेड लाइट ऑन-गाड़ी ऑफ' अभियान

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार ने अगले हफ्ते से सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में प्रदूषण निरोधक पहल 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' को लागू करने का निर्णय किया है। यह जानकारी बृहस्पतिवार को पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दी। अभियान के दूसरे दिन राय ने तिलक मार्ग-भगवान दास चौराहा यातायात सिग्नल का दौरा किया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि कई विधायक इस अभियान में हिस्सा ले रहे हैं और जागरूकता फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को निगम पार्षद भी इस पहल में हिस्सा लेंगे और 26 अक्टूबर के बाद अभियान को सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में चलाया जाएगा। मंत्री ने कहा, 'अभियान को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली के विधायक आज इसमें हिस्सा ले रहे हैं और लोगों में जागरूकता फैला रहे हैं। कल बाराखम्बा रोड यातायात सिग्नल पर निगम पार्षद इसमें हिस्सा लेंगे। यह अभियान 26 अक्टूबर के बाद सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में शुरू होगा, जहां लोगों से अपील की जाएगी कि रेड लाइट सिग्नल पर अपने वाहन के इंजन बंद कर दें। यह पूरी दिल्ली में बड़े अभियान की तरह होगा।'

राहुल का तंज, कोरोना वैक्सीन की जानकारी के लिए राज्यों के चुनाव की तारीख़ देखें

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार के लोगों को कोरोना वायरस का टीका मुफ्त उपलब्ध कराने के भाजपा के चुनावी वादे को लेकर तंज कसते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि भारत सरकार ने कोविड के टीके तक पहुंच की रणनीति की घोषणा कर दी है और अब लोग इसे हासिल करने की जानकारी के लिए राज्यवार चुनाव कार्यक्रमों पर गौर कर सकते हैं। उन्होंने ट्वीट किया, ''भारत सरकार ने कोरोना वायरस के टीके तक लोगों की पहुंच से जुड़ी अपनी रणनीति की घोषणा कर दी है। कृपया यह जानने के लिए राज्यवार चुनाव कार्यक्रमों का सहारा लें कि यह आपको दूसरे फर्जी वादों के पिटारे के साथ कब मिलेगा।''

पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट कर दावा किया, ''मोदी सरकार ने तो कोरोना की वैक्सीन नहीं ढूंढी, पर बिहार की जनता ने बिहार बचाने की 'वैक्सीन' ज़रूर ढूंढ ली है। जद(यू)-भाजपा भगाओ, महागठबंधन सरकार लाओ।'' उल्लेखनीय है कि बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का 'संकल्प पत्र' जारी करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को पटना में कहा कि कि जब तक कोरोना वायरस का टीका नहीं आता है, तब तक मास्क ही टीका है, लेकिन जैसे ही टीका आ जायेगा तो भारत में उसका उत्पादन बड़े स्तर पर किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा संकल्प है कि जब टीका तैयार हो जायेगा तब हर बिहारवासी को कोरोना वायरस का टीका मुफ्त में उपलब्ध कराया जाएगा।

कुलभूषण जाधव की मौत की सजा की होगी समीक्षा, पाकिस्तान सरकार के बिल को मिली मंजूरी

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान की संसदीय समिति ने सरकार के उस विधेयक को मंजूरी दे दी है जिसमें अंतरराष्ट्रीय अदालत के निर्देशों के अनुरूप भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को दी गई मौत की सजा की समीक्षा करने की मांग की गई है। मीडिया में बृहस्पतिवार को प्रकाशित खबर के मुताबिक, ''अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (समीक्षा और पुनर्विचार) अध्यादेश' शीर्षक से प्रस्तुत मसौदा विधेयक पर नेशनल असेंबली की विधि एवं न्याय से संबंधित स्थायी समिति ने विपक्ष के तीखे विरोध के बावजूद बुधवार को चर्चा की और इसे अपनी मंजूरी दी। समिति की बहस में हिस्सा लेते हुए पाकिस्तान की न्याय एवं विधि मंत्री फरोग नसीम ने कहा कि यह विधेयक अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन के तहत लाया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर विधेयक को संसद मंजूरी नहीं देती तो पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के फैसले का अनुपालन नहीं करने पर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। उल्लेखनीय है कि जासूसी और आतंकवाद में शामिल होने के आरोप में भारतीय नौसेना से अवकाश प्राप्त 50 वर्षीय अधिकारी कुलभूषण जाधव को पाकिस्तान की सैन्य अदालत ने अप्रैल 2017 में मौत की सजा सुनाई थी। भारत ने पाकिस्तान के सैन्य अदालत के फैसले और जाधव को राजनयिक संपर्क देने से इनकार करने के खिलाफ वर्ष 2017 में ही अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का रुख किया था। हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय अदालत ने जुलाई 2019 में दिए फैसले में कहा कि पाकिस्तान जाधव को दोषी ठहराने और सजा देने के फैसले की प्रभावी तरीके से समीक्षा करे और पुनर्विचार करे। इसके साथ ही अदालत ने भारत को बिना देरी जाधव तक राजनयिक पहुंच देने का आदेश दिया। डान अखबार के मुताबिक स्थायी समिति में विपक्षी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन), पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और जमीयत उलेमा -ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) के सदस्यों ने अध्यक्ष रियाज फत्याना से अनुरोध किया कि वह इस विधेयक को खारिज कर दें। हालांकि, सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) से संबंध रखने वाले फत्याना ने गतिरोध को मतदान से सुलझाने का फैसला किया।

खबर के मुताबिक समिति के आठ सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में मतदान किया जबकि पांच सदस्य इसके विरोध में रहे। विपक्षी सदस्यों ने विधेयक को जाधव के लिए राष्ट्रीय मेल-मिलाप अध्यादेश(एनआरओ) करार दिया है। उललेखनीय है कि एनआरओ को पूर्व राष्ट्रपति और सैन्य तानाशाह जनरल (अवकाशप्राप्त) परवेज मुशर्रफ ने तब देश के निर्वासित राजनीतिक नेतृत्व के लिए जारी किया गया था जिसमें राजनेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के कई मामलों को वापस ले लिया गया था। जेयूआई-एफ की आलिया कामरान ने आरोप लगाया कि सरकार देश की अवस्थापना को यह कहकर भ्रमित कर रही है कि वह विधेयक जाधव के लिए नहीं ला रही है। उन्होंने कहा कि विधेयक को आम बहस के लिए जनता और बार एसोसिएशन के समक्ष रखना चाहिए। कामरान ने कहा, ''विधेयक गैर जरूरी है क्योंकि पाकिस्तान के पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने पहले ही अपने फैसले में कह दिया है कि संवैधानिक अदालतें सैन्य अदालतों के फैसलों की समीक्षा कर सकती हैं।'' पीपीपी के सैयद नवीद कमर ने कहा कि विधेयक के जरिये सरकार जाधव को सैन्य अदालत के फैसले के खिलाफ अपील से राहत देना चाहती है जो पाकिस्तानी नागरिकों को भी उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि जाधव को एनआरओ देने के लिए लाए जा रहे इस विधेयक का हम विरोध करते हैं। विधि मंत्रालय ने कहा कि वह इस विधेयक के जरिये भारत को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में पाकिस्तान के खिलाफ संभावित अवमानना का मुकदमा दर्ज करने से रोकना चाहता है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होता और मामला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को प्रेषित किया जाता है तो देश को प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है।

बीजेपी चीफ नड्डा बोले, सीमावर्ती सड़कों के निर्माण पर ध्यान देने से घबराया चीन

शिमला। भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने बृहस्पतिवार को कहा कि राजग सरकार ने देश की सीमाओं की सुरक्षा में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है और सीमावर्ती सड़कों के निर्माण पर ध्यान देने से चीन घबराया हुआ है। हिमाचल प्रदेश में भाजपा के छह कार्यालयों की आधारशिला दिल्ली से ऑनलाइन माध्यम से रखते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने पिछले छह वर्षों में लद्दाख के गलवान घाटी से लेकर अरूणाचल प्रदेश तक चार लेन वाला 4700 किलोमीटर लंबा सदाबहार मार्ग बनाया है। नड्डा ने कहा कि इसी तरह से सीमा पर 14.7 किलोमीटर लंबा दो लेन वाला पुल भी बनाया गया है जहां से बड़े टैंक गुजर सकते हैं। यह सशक्त भारत है और चीन घबराया हुआ है। भाजपा प्रमुख ने कहा कि पहले छोटे पुल थे और जब सेना के ट्रक गुजरते थे तो यातायात रोकना पड़ता था। सामरिक रूप से महत्वपूर्ण रोहतांग के अटल सुरंग का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा कि वह उद्घाटन के दौरान हिमाचल प्रदेश आना चाहते थे लेकिन नहीं आ सके क्योंकि बिहार चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया चल रही थी। अटल सुरंग के लिए हिमाचल प्रदेश की जनता को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि यह देश की सुरक्षा के लिए भी फायदेमंद है।

जदयू ने राजद से पूछा, बड़े बड़े वादों को पूरा करने के लिये कहां से आयेगा पैसा

पटना। (एजेंसी)।

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिये बृहस्पतिवार को अपने घोषणा पत्र के तहत सात निश्चय-2 लागू करने का संकल्प व्यक्त किया। पार्टी ने कहा कि विपक्षी राजद ने जनता को गुमराह करने के लिये बड़े बड़े वादे किये हैं जिन्हें पूरा करने के लिये पांच लाख करोड़ रूपये की जरूरत होगी, लेकिन लोग जानना चाहते हैं कि यह पैसा कहां से आयेगा? बिहार विधानसभा चुनाव के लिये नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने बृहस्पतिवार को अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया जिसमें सात निश्चय-2 के तहत युवा शक्ति, सशक्त महिला, हर खेत को सिंचाई के लिये पानी, स्वच्छ गांव एवं शहर, सम्पन्नता और सभी के लिये स्वास्थ्य सुविधा का वादा किया गया है। जदयू मुख्यालय में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह ने राज्य विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। इसमे जदयू ने नारा दिया है,'' पूरे होते वादे, अब हैं नए इरादे।'' जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष अशोक चौधरी ने राजद और उसके नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि यहां के नौजवानों को बेवकूफ़ बनाकर, उन्हें बरगला कर वह गद्दी हथियाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ' इन्होंने (राजद ने) जो योजना बनायी है उसके लिए पांच लाख करोड़ रुपये का बजट चाहिए। उनको यह बताना चाहिए कि यह लोग इतना राजस्व कहाँ से लाएंगे? '' चौधरी ने कहा '' बिहार का बजट 2.11 लाख करोड़ रूपये का है जबकि राजद के शासनकाल में यह 24 हजार करोड़ रूपये का था। अब वे (राजद) बतायें कि पांच लाख करोड़ रूपया कहां से आयेगा ? चौधरी ने कहा 'इन्होंने 10 लाख नौकरियां देने का वादा किया है। हमारा कहना है हम बिहार को सक्षम और स्वावलंबी बनाएंगे तथा युवाओं को इतना सक्षम बनाएंगे कि वे अपने साथ दूसरों को भी रोजगार दे सकें।' जदयू के प्रदेश अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह ने संवाददाताओं से कहा ' हम जो वादा करते हैं, उसे पूरा करते हैं और हमारा पहला सात निश्चय इसका उदाहरण है।' राजद नेता और महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के 10 लाख नौकरियों के वादे पर निशाना साधते हुए वशिष्ठ नारायण सिंह ने कहा, '' नीतीश कुमार सिर्फ वादा करने के लिए कुछ नहीं बोलते। अगर उन्होंने कुछ कहा है तो उसे जरूर पूरा करेंगे।

35 फीसदी महिलाओं को शराब का शौक, हफ्ते में एक बार करती हैं ड्रिंक: सर्वे

नयी दिल्ली। धीरे-धीरे शराब पीने का चलन बढ़ता जा रहा है और अब पुरुष ही नहीं बल्कि महिलाएं भी इस मामले में कुछ कम नहीं हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने कुछ आंकड़े जारी किए हैं जो बताते हैं कि हफ्त में एक बार शराब पीने वाली महिलाओं के मामले में नगालैंड टॉप पर है। वहीं, उत्तराखंड दूसरे और त्रिपुरा तीसरे स्थान पर है। जबकि हफ्ते में एक बार शराब पीने वाले पुरुषों के मामले में गोवा को पहला स्थान मिला है और अरुणाचल प्रदेश दूसरे पायदान पर है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, देश में हफ्ते में एक बार शराब पीने के मामले में 35 फीसदी महिलाएं और 40.7 फीसदी पुरुष हैं। वहीं, राज्यों के हिसाब से आंकड़े छोड़े अलग हैं। हफ्ते में एक बार शराब पीने वाली महिलाओं के मामले में नगालैंड टॉप पर है, यहां की 65.5 फीसदी महिलाएं शराब पीती हैं। 58.6 फीसदी के साथ उत्तराखंड दूसरे स्थान पर, 50.8 फीसदी के साथ त्रिपुरा तीसरे स्थान पर और 45.7 फीसदी के साथ बिहार की चौथे पायदान पर है।

पुरुषों की संख्या कम

स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जो आंकड़े जारी किए गए हैं उसमें हफ्ते में एक बार शराब पीने से जुड़े मामलों की चर्चा की गई है। ऐसे में पुरुषों के मामले में गोवा पहले स्थान पर मौजूद है। जहां के 59.3 फीसदी पुरुष हफ्ते में एक बार शराब पीते हैं। अरुणाचल प्रदेश के 55.1 फीसदी, आंध्र प्रदेश के 53.1 फीसदी, कर्नाटक और केरल के 51.9 फीसदी पुरुष शामिल हैं।

प्रधानमंत्री प्रमुख मुद्दों पर चुप रहे लेकिन भाषण अच्छा था: शिवसेना

पुणे। (एजेंसी)।

राष्ट्र के नाम संबोधन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बृहस्पतिवार को शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में कटाक्ष करते हुए कहा गया है कि वह प्रमुख मुद्दों पर चुप रहे लेकिन उनका यह भाषण पिछले कुछ महीनों में दिये गये ''सबसे अच्छे भाषणों में से एक'' था। मराठी दैनिक के संपादकीय में व्यंग्यात्मक लहजे में कहा गया है कि मोदी के मंगलवार के संबोधन में नापसंद किया जाने वाला कुछ भी नहीं था और प्रधानमंत्री के चेहरे पर एक अलग ही तेज दिख रहा था जो देश को उसकी समस्याओं से छुटकारा दिलाएगा। इसमें कहा गया है, ''प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन के माध्यम से देशवासियों को क्या बताया? नया क्या था? क्या उन्होंने महाराष्ट्र में बाढ़ प्रभावित लोगों को कोई आश्वासन दिया? किस मौद्रिक पैकेज की घोषणा की गई थी? भाषण की इसी तरह की आलोचनाएं की जा सकती हैं। हालांकि, भाषण छोटा और प्रभावी था।''

प्रधानमंत्री ने मंगलवार को लोगों से कोविड-19 दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की और चेताया था कि किसी भी तरह की लापरवाही त्योहारों के उत्साह को फीका कर सकती है। संपादकीय में कहा गया है, ''उन्होंने कोरोना वायरस के बारे में जो कुछ भी कहा, वह सब सच था। वह आये, वह बोले। उनकी श्वेत दाढ़ी, उनके चेहरे पर दीप्तिमान तेज .... यह तेज देश में आपदाओं के अंधेरे को मिटा देगा।'' इसमें कहा गया है कि मोदी ने देश में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने की बात की, लेकिन महामारी के कारण हुई बेरोजगारी का जिक्र नहीं किया। शिवसेना के मुखपत्र में कहा गया है, ''भाषण से पहले, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से अपील की थी कि वह चीनी घुसपैठ (लद्दाख में) और भारत चीनी सैनिकों को कब बाहर निकालेगा,इसके बारे में बोलें। लेकिन मोदी ने एक भी मुद्दे को नहीं छुआ।''

इसमें कहा गया है, ''उनका भाषण छोटा था। वास्तव में, कोरोना वायरस पर जागरूकता के संबंध में सात से आठ मिनट लंबा संबोधन पिछले सात महीनों में सबसे अच्छे भाषणों में से एक था।'' संपादकीय में महाराष्ट्र में मंदिरों को फिर से खोले जाने की मांग का जिक्र करते हुए कहा गया है कि राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को इस बात पर गौर करना चाहिए कि प्रधानमंत्री ने कहा था कि जिन जगहों पर भीड़ हो सकती है उन्हें इतनी जल्दी फिर से नहीं खोला जा सकता। विपक्षी भाजपा महाराष्ट्र में मंदिरों को फिर से खोले जाने की मांग कर रही है और कोश्यारी ने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिखा था।

दिल्ली दंगे के आरोपी उमर खालिद ने कोर्ट से कहा, मुझे एकांतवास में रखा गया है

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व छात्र नेता और फरवरी में उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुए दंगे के सिलसिले में कठोर गैरकानूनी गतिविधि (निषेध) अधिनियम के तहत गिरफ्तार उमर खालिद ने बृहस्पतिवार को यहां अदालत को बताया कि उसे जेल में अपनी कोठरी से भी बाहर नहीं निकलने दिया जाता है और उसे एक तरह से एकांतवास में रखा गया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत ने इसके बाद तिहाड़ जेल के अधीक्षक को निर्देश दिया कि वह शुक्रवार को मामले की सुनवाई के दौरान उपस्थित रहें। न्यायिक हिरासत की अवधि पूरी होने के बाद जब वीडियो कांफ्रेंस के जरिये खालिद को अदालत के समक्ष पेश किया गया तो उसने सीधे अदालत के सामने अपनी बात रखी। अदालत ने तिहाड़ जेल के सहायक अधीक्षक को तब माइक नहीं खोलने पर फटकार लगाई जब खालिद ने उनसे कहा कि वह न्यायाधीश से बात करना चाहता है।

खालिद ने कहा कि अधिकारी ने उसे बताया कि न्यायाधीश द्वारा अनुमति दिए जाने के बाद माइक को चालू) किया जाएगा। न्यायाधीश ने जेल अधिकारी से कहा, ''अगर विचाराधीन कुछ कहना चाहता है तो उसके माइक को चालू कर दीजिए और उसे बोलने दीजिए या आप बताएं कि वह कुछ कहना चाहता है।'' न्यायाधीश की अनुमति मिलने पर खालिद ने कहा, '' मुझे कोठरी से निकलने की बिल्कुल अनुमति नहीं दी जाती है। मैं अपनी कोठरी में अकेला हूं। किसी को भी मुझसे मिलने की अनुमति नहीं दी जाती। व्यवाहारिक तौर पर मुझे एकांत में जैसे कैद कर दिया गया है। मेरी तबीयत पिछले तीन दिन से ठीक नहीं है। मैं असहज महसूस कर रहा हूं। यह सजा की तरह है। मुझे क्यों यह सजा दी जा रही है? मैं दोहराता हूं कि मुझे सुरक्षा की जरूरत है किंतु यह पूरे दिन मुझे कोठरी में रखकर नहीं हो सकती।'' उसने कहा कि बुधवार को उसे जेल संख्या दो के अतिरिक्त अधीक्षक प्रदीप शर्मा द्वारा जारी आदेश दिखाया गया जिसमें कहा गया है कि खालिद को अपनी कोठरी से बाहर रहने की अनुमति नहीं है। खालिद ने कहा, '' मैं इस आदेश को वापस लेने का अनुरोध करता हूं। जेल अधीक्षक सुबह आएं और जेल कर्मियों को कहा कि मुझे बाहर निकलने की अनुमति दी जाए। मैंने करीब 10 मिनट बाहर बिताया और उसके बाद वह वापस चले गए। तब से मुझे बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी गई है।''

खालिद के वकील त्रिदीप पाइस ने अदालत से कहा कि जेलशिकायत करने पर अधिकारियों द्वारा उनके मुवक्किल के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। इसपर अदालत ने कहा, ''अपनी शिकायत दर्ज करने के लिए खालिद को सजा नहीं दी जाएगी। आप इसका ध्यान रखें।'' गौरतलब है कि अदालत ने 17 अक्टूबर को तिहाड़ जेल के अधीक्षक को निर्देश दिया था कि वह न्यायिक हिरासत में बंद उमर खालिद को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराएं। अदालत ने यह निर्देश खालिद के आवेदन पर दिया था जिसमें उसने कहा था कि उसे जेल में उचित सुरक्षा मुहैया कराई जाए ताकि न्यायिक हिरासत में रहने के के दौरान कोई नुकसान नहीं पहुंचा सके। गौरतलब हे कि 24 फरवरी को उत्तर पूर्वी दिल्ली में संशोधित नागरिकता कानून के समर्थकों और विरोधियों के बीच झड़प अनियंत्रित होने के बाद सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई थी जिसमें कम से कम 53 लोगों की मौत हुई थी और करीब 200 लोग घायल हुए थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सर्दियों में सांस के रोगी रहें सचेत

सर्दियों में तापमान में कमी और वातावरण में प्रदूषित तत्वों की बढ़ी हुई मात्रा सेहत के लिए मुसीबत का कारण बन सकती है। सर्दियों का मौसम खासतौर पर सांस के मरीजों के स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन जाता है। इस मौसम में सांस संबंधी दिक्कतें जैसे दमा, फ्लू और सर्दी-जुकाम के मरीजों की संख्या काफी बढ़ जाती है।

प्रदूषित कोहरे का दुष्प्रभाव

सर्दियों में होने वाला कोहरा (जो वायुमंडल की जलवाष्प के संघनित होने से बनता है) कमोबेश हानिरहित होता है, लेकिन धुएं और सस्पेन्डिड पार्टिकल्स (छोटे-छोटे प्रदूषित कणों) के इर्द-गिर्द जमने से बना स्मोग (प्रदूषित कोहरा) मानव शरीर और खासतौर पर श्वसन तंत्र के लिए किसी विपत्ति से कम नहीं होता। इस वजह से लोगों की आंखों में जलन, आंसू, नाक में खुजली, गले में खराश और खांसी जैसे लक्षण सामान्य तौर पर देखने को मिलते हैं। सर्दी बढ़ने के साथ ही सांस की नली की संवेदनशीलता तुलनात्मक रूप से बढ़ जाती है, जिससे सांस की नली सिकुड़ती है। इस कारण सांस के रोगियों में समस्या की आशंका बढ़ जाती है।

वृद्ध रहें सजग

वृद्धों में सांस संबंधी समस्याएं कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती हैं। दरअसल बुजुर्गों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण उन्हें सांस संबंधी बीमारियों का ज्यादा खतरा रहता है।

दमा या अस्थमाः वातावरण में किसी भी प्रकार के बदलाव से शरीर में परिवर्तन होता है, जिससे, एलर्जी और अस्थमा के रोगी मुख्य रूप से प्रभावित होते हैं। जाड़े में इन मरीजों की परेशानियां बढ़ जाती है। इसलिए उन्हें विशेष तौर पर अपना ख्याल रखने की सलाह दी जाती है।

फ्लू या इंफ्लूएंजाः यह समय फ्लू या इंफ्लूएंजा के वाइरस के सक्रिय होने का है। इस कारण फ्लू के मामलों में काफी वृद्धि हो जाती है। बच्चों, वृद्धों, गर्भवती महिलाएं और एच.आई.वी. से पीड़ित रोगियों में यह संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

क्या करें

- सांस के रोगी खासकर दमा के मरीज न सिर्फ सर्दी से बचाव करें बल्कि नियमित रूप से डॉक्टर के संपर्क में रहें। डॉक्टर की सलाह से अपने इनहेलर की डोज भी दुरुस्त कर लें। कई बार इनहेलर्स की मात्रा बढ़ानी होती है।
- सर्दी से बचकर रहें। पूरा शरीर ढकने वाले कपड़े पहनें। सिर, गले और कान को खासतौर पर ढकें।
- सर्दी के कारण साबुन-पानी से हाथ धोने की अच्छी आदत न छोड़ें।
- गुनगुने पानी से नहाएं।
- सर्दी के मौसम में मालिश लाभप्रद है।
- सर्दी, जुकाम, खांसी, फ्लू और सांस की अन्य बीमारियों से ग्रस्त रोगियों को सुबह- शाम भाप(स्टीम) लेनी चाहिए।
- फ्लू के रोगी खांसते या छींकते समय मुंह पर हाथ रखें या रूमाल का प्रयोग करें।
- फ्लू के रोगियों द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तुओं जैसे रूमाल व चादरों आदि को सुरक्षित विधि से साफ करें।
- अगर आप में फ्लू के लक्षण हैं, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें और घर मे ही रहें।
- फ्लू पीड़ित से कम से कम 1 मीटर दूर रहें।
- हाथ मिलाने या गले मिलने से बचें, भारतीय पद्धति के अनुसार नमस्कार करें।

क्या न करें

- सर्दी में सांस के मरीजों को सुबह की सैर नहीं करनी चाहिए।
- सुबह ठंडे पानी से न नहाएं। सांस के रोगियों को अलाव के धुएं से बचना चाहिए, अन्यथा इससे उन्हें सांस का दौरा पड़ सकता है।

घर पर करें गोभी और मिर्च से रोगों का उपचार

जार्जटाऊन यूनिवर्सिटी मैडीकल सैंटर के शोधकर्ताओं के अनुसार फूलगोभी, पत्तागोभी तथा जलकुंभी परिवार की सब्जियों में एक प्रकार का पदार्थ पाया जाता है जो मानव एवं जानवर दोनों में फेफड़े का कैंसर रोकने में सहायक होता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार 'प्रेफेक्स' नामक एक ऐसा पदार्थ गोभी में पाया जाता है जो फेफड़े को कैंसरग्रस्त होने से रोकता है। यह पदार्थ सैक्स उत्तेजक भी होता है। इसी प्रकार मिर्च खाने से शरीर की चर्बी कट जाती है और वजन कम हो जाता है।

मिर्च की तासीर के कारण चर्बी बढ़ाने वाली कोशिकाएं खुद ब खुद नष्ट होने लगती है। ताईवान के शोधकर्ता चिन-लिन-शू के अनुसार मिर्च शरीर के चयापचय की प्रक्रिया को तेज करती है और यह मोटापे को कम करने के साथ ही कालरा तथा ब्रांकाइटिस जैसी बीमारियों का उपचार भी करती है।

गोभी और मिर्च से बहुत से रोगों का उपचार घर पर ही किया जा सकता है। आईए जानें कैसे

गोभी

1 गोभी में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को दरूस्त रखते हैं और पेट संबंधी रोगों से राहत देते हैं।
2 गोभी का सेवन करने से कैंसर जैसी भयानक बीमारी का खतरा कम होता है।
3 गोभी का सेवन मोटापे से निजात दिलाता है।
4 गोभी में कैल्शियम की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो शरीर की हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद होती है और दांतों को भी मजबूत बनाने में मददगार साबित होती है।

मिर्च

1 जब आप हरी मिर्च अपने दांत से चबाते हैं तो इसका तीखा अनुभव आपके मुंह में अधिक थूक पैदा करता है जो रक्त के थक्कों को घोलने में काफी सहायक होता है।
2 हरी मिर्चों में विटामिन सी की मौजूदगी शरीर को खांसी, जुकाम तथा श्वास संबंधी अन्य समस्याओं से बचाने में सहायता करती है।
3 हरी मिर्च में मौजूद विटामिन के ओस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम करता है।
4 हरी मिर्च एक प्राकृतिक दर्द निवारक है और यह ओस्टियोआर्थराइटिस जैसी स्थितियों में इलाज में काफी लाभदायक होती है।
5 मोटापे से पीड़ित लोगों में कोलैस्ट्रॉल के स्तरों को कम करने में हरी मिर्चें काफी सहायक होती हैं।

मानव पर रंगों का प्रभाव

सफेद रंग हल्केपन एवं शीतलता का आभास देता है।

पीला रंग उत्फुल्लता, हल्केपन खुलेपन और गर्माहट का आभास देता है, नब्ज की रफ्तार तेज करता है परंतु आक्रामक प्रतिक्रिया भी पैदा कर सकता है।

बैंगनी रंग थकान और भारीपन का भ्रम उत्पन्न कर थकान, बोरियत या बोझ की अनुभूति करता है।

गहरा नीला रंग मस्तिष्क को विश्रांति देता है किन्तु दुख का बोध भी कराता है। गहरे नीले रंग से पूरा कमरा ठंडा एवं भरा-भरा प्रतीत होता है।

हरा रंग शांति एवं शीतलता का अहसास कराता है। आंखों से दबाव घटाकर नेत्र ज्योति तेज करता है। खून का दबाव भी सामान्य करता है। हल्का नीला रंग शीतलता व अलगाव द्वारा चैन देता है। काला रंग ओजस्विता कम करता है, अवसादकारक एवं उत्पीड़क बोझ देने वाला है। काले रंग पुते तल काफी बड़े प्रतीत होते हैं। भूरा रंग स्थायित्व, गर्म और मानसिक संतुलन बोधकारक होता है। सलेटी रंग को ठंडा, नीरसता व विरक्तिबोधक माना जाता है। श्वेत एवं नीले रंग के सम्मिश्रण को शीतलता और चैन का द्योतक कहा गया है। जामुनी रंग गर्म एवं उत्साहवर्धक माना गया है। लाल रंग गर्मजोशी, मनोबल बढ़ाता है, मगर देर तक हावी रहना थकान एवं धड़कन बढ़ाता है

ठंड में त्वचा रोगों से बचाव के घरेलु नुस्खे

1 सर्दी के मौसम में स्वस्थ त्वचा के लिए जरूरी है नियमित स्नान। भले ही आप प्रतिदिन न नहाएं परंतु हर दूसरे दिन नहाने का नियम बनाएं। जिस दिन नहीं नहाएं, उस दिन स्पंज करें तथा अंदर के कपड़े अवश्य बदलें। नहाने के लिए ठंडा-गर्म जैसा पानी चाहें, इस्तेमाल कर सकते हैं।
2 जाड़े में साबुन का प्रयोग ज्यादा न करें। नहाने से पहले पूरे बदन में तेल लगाएं। नहाने के बाद तेल या माश्चराइजर का उपयोग करें। पानी से करने वाले काम एक ही बार में निपटा लें। बार-बार पानी में हाथ न डालें। यदि पानी का काम करना जरूरी हो तो पहले हाथों में मलाई लगाएं। दस्ताने पहन कर काम करने से त्वचा सुरक्षित रहती है।
3 सर्दियों में धूप का नियमित सेवन करके चिलब्लेंस व डर्माटाइटिस जैसे रोगों से बचा जा सकता है। धूप में उतना ही बैठें जितनी देर आराम महसूस करें। अगर त्वचा लाल पडने़ लगे या सूजने लगे, तो धूप से हट जाएं। जिन्हें धूप से एलर्जी है उनके लिए सर्दी की धूप भी नुक्सानदायक है। ऐसे लोग धूप में कम निकलें। जब भी धूप में निकलें तो सिर पर स्कार्फ बांध लें या छतरी भी लगा सकते हैं।
4 हाथ-पैर की उंगलियों के सुन्न होने, खून का दौरा कम होने या त्वचा के फटने से बचने का सबसे अच्छा उपाय है संतुलित आहार। भोजन में दूध, दही और हरी सब्जियां खूब लें। विटामिन ए ज्यादा से ज्यादा लें। त्वचा के लिए गाजर का सेवन बहुत फायदेमंद है।
5 यूरिया आयंटमैंट त्वचा के फटने, सूजन और लाल होने वाली त्वचा के उपचार के लिए बहुत उपयोगी है। यह यूरिया से बनती है। इसको मलने से त्वचा काफी देर तक मुलायम बनी रहती है। इसके नियमित इस्तेमाल से त्वचा में होने वाले रोगों से बचा जा सकता है तथा त्वचा स्वस्थ रहती है।

कहीं आप भी खून की कमी का शिकार तो नहीं हो रहे

आज के भागदौड़ भरे जीवन में फास्ट फूड का प्रचलन बड़ रहा है। जिससे भोजन में पौष्टिक आहार की कमी के कारण आज प्रत्येक वर्ग के लोग खून की कमी से जूझ रहे हैं। जिसमें अधिकतर संख्या युवाओं की है जिसके कारण उन्हें कमजोरी आदि की शिकायतें होने लगी हैं। खून की पाई जाने वाली इस कमी को एनीमिया कहते हैं। एनीमिया का प्रमुख कारण सही प्रकार की डाइट न लेना है। पुरुषों में खून की मात्रा 14 से 18 ग्राम प्रति डैसीलीटर होनी चाहिए। वहीं महिलाओं में यह 12 से 16 ग्राम प्रति डैसीलीटर है। इससे कम मात्रा में पाए जाने वाले खून को एनीमिया कहते हैं। वैसे 10 ग्राम से अधिक खून वाले भी स्वस्थ रहते हैं, परंतु इससे कम खून वाले को अधिक से अधिक डाइट लेनी चाहिए।

एनीमिया की 3 स्टेज होती हैं, जिनमें प्रथम स्टेज को माइलड कहते हैं, जो 10 से 12 ग्राम होती है। वहीं 6 से 10 ग्राम को मोडरेट व 6 ग्राम से कम की स्थिति खतरनाक होती है। जिसे सीवियर एनीमिया कहते हैं।

एनीमिया अत्यधिक गंभीर रोग तब होता है जब हैपिटाइटिस बी, सी तथा एच.आई.वी. जैसे संक्रमण होते हैं। डाक्टरों का सुझाव है कि अधिक मात्रा में भी आयरन का सेवन नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इससे ह्रदय संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कैसे करें खून की कमी पूरी

1 एनीमिया से निजात पाने के लिए बैलेंस डाइट जरूरी है। प्रोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन, मांस, मछली में ही नहीं दूध, हरी सब्जियां, मटर, फलियों तथा पत्तेदार सब्जियों, शीरा, गुड़, किशमिश, खजूर, सेब इन सबमें अलग-अलग रूप में मिल जाते हैं। इन तत्वों में खून बनने में सहायता मिलती है।

2 खाना खाने से पहले व बाद में आधे घंटे तक चाय का सेवन भी नहीं करना चाहिए। चाय खाने में मिलने वाले पौष्टिक तत्वों को डाइजेस्ट नहीं होने देती।

3 आयरन युक्त डाइट तभी फायदेमंद होती है, जब उसके साथ विटामिन सी का भी सेवन किया जाए। विटामिन सी के लिए अमरूद, आंवला और संतरे का जूस लें। वैसे तो बैलेंस्ड डाइट और हैल्दी लाइफ स्टाइल ही काफी है लेकिन फिर भी किसी कारण से एनीमिया हो जाता है तो प्रापर ट्रीटमैंट लेना आवश्यक है। डाक्टर की सलाह से ब्लड टैस्ट कराएं ताकि बीमारी का कारण पता चल सके। उसके बाद ही डाक्टर आपका सही ट्रीटमैंट कर सकेंगे।

रूखी त्वचा को कोमल बनाता है नारियल तेल

ठंड के कारण कई समस्याएं होती हैं. इस मौसम में त्वचा के रोग और सर्दी-जुकाम होना आम बात है. इन समस्याओं से निबटने के लिए प्रस्तुत हैं कुछ आसान घरेलू उपाय, जिनसे इन समस्याओं से निबटा जा सकता है.

- रूखी त्वचा से बचने के लिए नेचुरल मॉस्च्यूराइजर, जैसे- नारियल तेल लगाएं.

- शहद के साथ गुलाब जल मिला कर चेहरे पर लगाएं. इससे त्वचा में चमक आयेगी और चेहरा साफ होगा.
- स्नान से पहले नारियल तेल लगा लें, इससे चिकनाई और कोमलता आयेगी.
- नीबू का रस लगाएं. इसमें मौजूद विटामिन-सी चेहरे की चमक बनाये रखती है.
- सर्दी के मौसम में विटामिन की कमी के कारण होठ फटने लगते हैं, इसलिए टमाटर, गाजर, साबूत अनाज और फल-सब्जियों का सेवन करें.
- नारंगी के छिलके के पाउडर में शहद मिला कर लगाने से त्वचा निखरती है.
- जितना हो सके, आहार में विटामिन-इ युक्त खाद्य पदार्थों, जैसे- पालक, बादाम, कद्दू आदि का सेवन करना बेहतर होता है.

सेहत का खजाना है पालक

हरी सब्जियों में पालक का नाम सबसे ऊपर है. यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद है. इसमें शरीर के लिए आवश्यक अमीनो एसिड, विटामिन ए, फोलिक एसिड, प्रोटीन और लौह तत्व भरपूर मात्र में होते हैं. इसके सेवन कई रोगों से भी छुटकारा मिलता है.

यह हरी पत्तेदार सब्जी गुणों से भरपूर है. पोषक तत्वों की प्राप्ति के लिए इसका नियमित सेवन बेहतर माना जाता है. पालक में विटामिन ए और सी प्रचुर मात्र में होते हैं. इसके अलावा विटामिन बी कॉम्पलैक्स, फोलिक एसिड, मैग्नीशियम की भी प्रचुरता होती है. शोध के अनुसार एक कप पालक से दिन भर की मैग्नीशियम की जरूरत का 40 प्रतिशत प्राप्त हो जाता है. मधुमेह पीड़ित लोगों के लिए भी पालक अच्छा विकल्प है. दही के साथ कच्चे पालक का रायता बहुत ही स्वादिष्ट और गुणकारी होता है.

इन रोगों से बचाता है -

ऑस्टियोपोरोसिस - खनिज तत्वों की प्रचुरता के कारण यह हड्डियों को मजबूत बनाता है और ऑस्टियोपोरोसिस को दूर रखता है.

आंखों की रोशनी - पालक मैकुलर डिजेनरेशन का जोखिम भी कम करता है. मैकुलर डिजेनरेशन 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में अंधेपन का मुख्य कारण है. इसके अलावा, विटामिन ए की कमी से रतौंधी और आंखों की रोशनी में कमी जैसे लक्षण उत्पन्न होते हैं.

शरीर की क्षतिपूर्ति में सहायक - प्रचुर मात्र में मौजूद फोलेट डीएनए और कोशिकाओं की सामान्य क्षति को पूरा करता है और इससे शरीर स्वयं अपने नुकसान की भरपाई कर लेता है.

एंटीऑक्सीडेंट - यह शरीर में उपापचय व अन्य सामान्य क्रियाओं के दौरान बननेवाले फ्री-रेडिकल्स से लड़ने में सहायक है. फ्री रेडिकल्स कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और कैंसर तथा हृदयरोगों के कारण बन सकते हैं.

वजन घटाने में सहायक - इसमें फाइबर प्रचुर मात्र में होता है, इसलिए यह मोटापा घटाने के इच्छुक लोगों के लिए आदर्श आहार है. सलाद, सब्जी और जूस में पालक का ज्यादा-से-ज्यादा उपयोग बेहतर होता है.

पोस्टमेनोपॉजल सिंड्रोम - पालक में मौजूद मैग्नीशियम पीएमएस के लक्षणों में कमी लाता है. इस अवस्था में पेट फूलने जैसी शिकायतों से बचने के लिए पालक बेहतर विकल्प है.

प्रतिरक्षा प्रणाली बनाता है मजबूत - पालक में मौजूद पोषक तत्व प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं और शरीर को सामान्य संक्रमणों से बचाते हैं.

बालों को मिले मजबूती - इसमें बालों के लिए आवश्यक विटामिन भी विशेष मात्र में होते हैं. बाल झड़ने से परेशान लोगों को कच्चे पालक का सेवन करना चाहिए.

ये लोग न करें सेवन - पालक में कैल्शियम और फॉस्फोरस होता है, जो मिल कर कैल्सियम फॉस्फेट बनाता है. यह पानी में घुलता नहीं है, जिससे पथरी बन जाती है. इसलिए पथरी के रोगियों को सिर्फ पालक की सब्जी नहीं खानी चाहिए. पालक और हरी पत्तेवाली मेथी मिला कर साग बना कर खाने से पथरी नहीं बनती है. कच्चे पालक के रस के सेवन करने से भी पथरी नहीं होती है.